राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 24 नवंबर 2024 वर्ष-7,अंक-298 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान उपचुनाव में 7 में से 5 सीटें भाजपा जीती

कांग्रेस ने गंवाई 3 सीटें

(एजेंसी)

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस चार निर्वाचन क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर रही। ऐसा लगता है कि भाजपा, जिसकी सीटें लोकसभा चुनावों में 24 से घटकर 14 रह गईं, को विद्रोहों को रोकने, कांग्रेस की तुलना में अधिक उत्साही अभियान से लड़ने और सत्तारूढ़ पार्टी होने से लाभ हुआ है।

भाजपा ने राजस्थान में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया और उपचुनाव में सात विधानसभा क्षेत्रों में से पांच पर जीत हासिल कर ली। कांग्रेस के पास इनमें से चार सीटें थीं। लेकिन वो सिर्फ दौसा जीतने में कामयाब रही, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) 2008 में अपनी स्थापना के बाद पहली बार खींवसर की अपनी एकमात्र सीट हार गई, जिसे उसका घरेलू क्षेत्र भी माना जाता है। (बीएपी) ने चोरासी को बरकरार रखा। हालांकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस चार निर्वाचन क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर रही। ऐसा लगता है कि भाजपा, जिसकी सीटें लोकसभा चुनावों में 24 से घटकर 14 रह गईं, को विद्रोहों को रोकने, कांग्रेस की तुलना में अधिक उत्साही अभियान से लड़ने और सत्तारूढ़ पार्टी होने से लाभ हुआ है। कांग्रेस, जो एक समय अच्छे प्रदर्शन के लिए तैयार दिख रही थी, हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद गति खो बैठी और फिर उबर नहीं सकी। नतीजों से जहां मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की छवि मजबूत होगी, वहीं आरएलपी के दिग्गज नेता हनुमान बेनीवाल, कांग्रेस के ओला परिवार और भाजपा के कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को उपचुनाव में बड़ा झटका लगा है।

चुनाव में भाजपा के पास सिर्फ एक सीट सलूंबर थी, जिसे पार्टी ने बरकरार रखा। जबकि बीएपी के जितेश कटारा ने यहां अधिकांश राउंड में बढ़त बनाए रखी, भाजपा की शांता मीना, अमृत लाल की पत्नी, जिनकी मृत्यु के कारण उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी। आखिरी चरण में जितेश को पछाड़ दिया और करीब 1,300 वोटों से सीट जीत ली। भाजपा ने सलूंबर के अलावा झुंझुनू, रामगढ़, देवली-उनियारा और खींवसर सीटें जीतीं। कांग्रेस और आरएलपी के लिए एक बड़े झटके में, भाजपा ने झुंझुनू, जो ओला परिवार का गढ़ था और खींवसर जिसे आरएलपी का गढ़ माना जाता था, जीत लिया। झुंझुनू में भाजपा ने आखिरी बार 21 साल पहले जीत हासिल की थी। उसके बाद, यह सीट 2008, 2013, 2018 और 2023 में कांग्रेस के बृजेंद्र ओला ने जीती, उनके लोकसभा चुनाव से पहले उपचुनाव की आवश्यकता पड़ी। उपचुनाव में, कांग्रेस ने ओला के बेटे अमित को मैदान में उतारा, जो भाजपा के राजेंद्र भांबू से निर्णायक 43,000 वोटों से हार गए।

आरएलपी 2008 में अपनी स्थापना के बाद पहली बार खींवसर हार गई। पिछले चुनावों में पार्टी प्रमुख हनुमान बेनीवाल और उनके भाई नारायण बेनीवाल को मैदान में उतारने के बाद, पार्टी ने हनुमान की पत्नी कनिका को मैदान में उतारा, जो भाजपा के रेवंत राम से करीब 14,000 वोटों से हार गईं। देवली-उनियारा में,

भाजपा के राजेंद्र गुर्जर ने 41,000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस के बागी नरेश मीना, मतदान के दिन एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मारने के लिए चर्चा में रहे, दूसरे स्थान पर रहे और कांग्रेस के के सी मीना तीसरे स्थान पर रहे।

पहला कॉलम

एकजूट होकर हम ऊंची उड़ान भरेंगे

महाराष्ट्र की प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री का पहला बयान

नई दिल्ली । महाराष्ट्र में बीजेपी गठबंधन सत्ता में वापसी की है। महाराष्ट्र की प्रचंड जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला बयान आया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि एकजुट होकर हम और भी ऊंची उड़ान भरेंगे! एनडीए को ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए महाराष्ट्र के भाइयों-बहनों, खासकर युवाओं और महिलाओं का दिल से आभारज। मैं लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि हमारा गठबंधन महाराष्ट्र की प्रगति के लिए काम करता रहेगा। मोदी यहीं नहीं रुके उन्होंने झारखंड के चुनावी नतीजों पर कहा कि मैं झारखंड के लोगों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। हम लोगों के मुद्दों को उठाने और राज्य के लिए काम करने में हमेशा सबसे आगे रहेंगे। मैं राज्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को भी बधाई देता हूं।

यूपी उपचुनाव में योगी का जलवा- बीजेपी प्लस को 7 सीटें, सपा 2 पर सिमटी

लखनऊ । यूपी में हुए विधानसभा उपचुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जलवा कायम रहा। यहां 9 सीटों पर हुए उपचुनाव में से बीजेपी गठबंधन को सात सीटें मिली हैं, जबकि समाजवादी पार्टी 2 सीटों पर सिमट कर रह गई है। यूपी में बीजेपी को छह, सहयोगी दल आरएलडी को एक सीट मिली है। भारतीय जनता पार्टी ने गाजियाबाद, खैर, फूलपुर, मझवां, कुंदरकी, कटेहरी से जीत दर्ज की है। करहल और शीशमऊ विधानसभा सीट समाजवादी पार्टी ने जीती है।

बिहार में सत्ताधारी गठबंधन का बर्चस्व बरकरार, बीजेपी व जदयू को मिली तीन सीटें

पटना । बिहार की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम जारी हो गए हैं। यहां बीजेपी ने दो जबकि जदयू व हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को एक-एक सीट मिली है। बीजेपी ने तरारी और रामगढ़ से जीत हासिल की है। जबकि जनता दल ने बेलागंज, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने इमामगंज विधानसभा सीट पर जीत दर्ज की। लालू यादव की पार्टी और कांग्रेस का यहां पत्ता साफ हो गया।

आठ बांग्लादेशी नागरिक त्रिपुरा के रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार

नई दिल्ली ।

भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले आठ बांग्लादेशी नागरिकों को त्रिपुरा के एक रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तेलियामुरा रेलवे स्टेशन पर टिकट काउंटर के सामने संदिग्ध गतिविधि देखकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त टीम ने पूछताछ के लिए चार पुरुषों और चार महिलाओं को पकड़ा है। तेलियामुरा जीआरपी के प्रभारी अधिकारी गौतम देबबर्मा ने बताया, ''पूछताछ में पता चला कि वे आजीविका की तलाश में हैदराबाद जाने वाले थे। चूंकि वे भारतीय क्षेत्र में अवैध रूप से घुसे थे, इसलिए उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को रिमांड पर लेने के लिए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। देबबर्मा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों ने पुलिस को बताया कि वे गोमती जिले के कारबुक में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर आए थे और उन्होंने जंगल में रात बिताई थी। उन्होंने कहा, वे सुबह-सुबह दो वाहनों से स्टेशन पहुंचे। मामले में जांच की जा रही है।

अदाणी से जुड़े भ्रष्टाचार की कीमत आम भारतीय चुका रहा है- राहुल

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अदाणी समूह से जुड़े 'भ्रष्टाचार' की कीमत आम भारतीय को चुकानी पड़ रही है। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा, यह भ्रष्टाचार का बेहद ख़तरनाक खेल है। अदाणी मोदी जी को फंड देते हैं और बदले में मोदी जी उन्हें देश की राष्ट्रीय संपत्ति सौंपते हैं। वे दोनों सबसे पहले एक-दूसरे की रक्षा करते हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि इसमें कीमत लोगों को चुकानी पड़ रही है। राहुल ने कहा, ''जब अदाणी रिश्वत देकर महंगी बिजली बेचने का सौदा करते हैं, तब बढ़े हुए बिजली के दाम किसे चुकने पड़ते हैं? आपको, जनता को। जब घोटाले सामने आने पर अदाणी के फर्जी तरीके से बढ़ाए हुए शेयर गिरते हैं, तब नुकसान किसका होता है? आपका, खुदरा निवेशकों का। राहुल गांधी ने दावा किया, जब बंदरगाह, हवाई अड्डे, सीमेंट, रक्षा क्षेत्र अदाणी के हवाले किए जाते हैं, तब उन्हें मिलने वाला मुनाफा किसकी जेब से जाता है? आपकी जेब से। उन्होंने कहा, ''इसीलिए मैं बार-बार बोल रहा हूं कि इस खेल को समझिए, इसमें हार हमेशा जनता की होगी।

दिल्ली में बढ़ते अपराधों से खफा हुए शाह, पुलिस आयुक्त से कहा- कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी आपकी...

नई दिल्ली।

दिल्ली में बढ़ रहे अपराधों को लेकर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा तलब करते हुए साफ कह दिया कि कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी आपकी है। इसमें किसी तरह की कोई हीलाहवाली नहीं चल सकती। दिल्ली में आए दिन हो रहीं हत्या, लूट, बलात्कार और झपटमारी जैसे अपराधों की बड़ी-बड़ी वारदातों के बीच शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस के साथ गृह मंत्रालय में बैठक कर यहां देश की राजधानी दिल्ली में कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। सिक्योरिटी रिव्यू में गृह मंत्री ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा को साफतौर पर निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आपकी और पूरी दिल्ली पुलिस की है कि दिल्ली पुलिस को देखकर दिल्ली के लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस करें। पुलिस को देखकर दिल्ली वालों में सुरक्षा का भाव आना चाहिए और अपराधियों में भय और डर का। ऐसा नहीं कि दिल्ली पुलिस को देखकर लोग डरें और गैंगस्टर और बदमाश वारदात करते रहें।

मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि सिक्योरिटी रिव्यू में गृह मंत्री शाह ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को कहा कि निर्देश दिया कि यह साफ है कि अपराध के खिलाफ केंद्र सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसलिए दिल्ली की कानून-व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिसमें यहां रहने वाले लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस करें, उनमें अपराध और अपराधियों के डर का कोई माहौल ना हो। हर एक दिल्ली वाला खुद को पूर्ण रूप से सुरक्षित महसूस करे। यह जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस कमिश्नर के साथ ही पूरी दिल्ली पुलिस की है। इसके लिए दिल्ली पुलिस के हर कर्मचारी की यह व्यक्तिगत जवाबदेही है। उन्होंने लोगों की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए कुछ अहम क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसके लिए विशेष कार्य योजना तैयार कर विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए, जिसका असर भी लोगों में सकारात्मक रूप से दिखाई दे। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस की प्रायरिटी दिल्ली में अपराध और अपराधियों को कंट्रोल करना तो है ही साथ ही बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को भी दिल्ली पुलिस प्राथमिकता दे।

मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर जनता को विश्वास-योगी

लखनऊ । यूपी उपचुनाव में मिली जीत के बाद सीएम योगी ने कहा कि नौ में से सात सीटों पर जीत का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। पीएम पर लोगों को अटूट विश्वास है। ये जीत उसी का प्रमाण है। हम सब जनता का आभार व्यक्त करते हैं। सपा और 'इंडी' की लूट और झूठ की राजनीति की समाप्ति की शुरुआत का ये परिणाम है। भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो जनादेश महाराष्ट्र में मिला, ये राम और राष्ट्र के आराधक नए भारत की जीत है। आंबेडकर का अपमान करने वालों की पराजय है। आज फिर से स्पष्ट हुआ है कि देश की जनता को मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर अटूट विश्वास है। तुष्टिकरण और सांप्रदायिकता के शॉर्टकट से सरकार बनाने का सपना देख रहे इंडी गठबंधन की ये पराजय है। यूपी उपचुनाव के बारे में सपा ने मतदान के दिन से जो प्रलाप किया, उस पर जनता ने जो जवाब दिया है, कुंदरकी उसका उदाहरण है। सपा की जमानत जब्त होने वाली है। सपा सीसामाऊ के चुनाव को रद्द कराना चाहती थी। अब सिर्फ आठ हजार से जीत पाए हैं। करहल में सपा सिर्फ 14 हजार वोट से जीती है। जो केशव मौर्य ने कहा है उस ओर हम बढ़ रहे हैं। सीएम ने दोहराया बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। ये देश की जनता ने माना है। कुंदरकी पर कहा कि राष्ट्रवाद, जड़ और मूल की जीत सबको अपना गोत्र याद आया। अपनी जीत याद आती है। इससे पहले सीएम योगी ने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया। लिखा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनावों में भाजपा-एनडीए की विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है। ये जीत डबल इंजन सरकार की सुरक्षा-सुशासन एवं जन-कल्याणकारी नीतियों तथा समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का सफल है।

उचित मुआवजा दिए बिना सरकार को भूमि अधिग्रहण की अनुमति नहीं

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कि उचित मुआवजा दिए बिना सरकार को लोगों की भूमि अधिग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायमूर्ति बी.आर.गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि हालांकि संपत्ति का अधिकार अब मौलिक अधिकार नहीं है, लेकिन यह अब भी संवैधानिक अधिकार है। शीर्ष अदालत ने हिमाचल सरकार और अन्य की याचिकाएं खारिज कर दीं, जिसमें संबंधित उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी कि हिमाचल सरकार मुआवजा दिए बिना लोगों की भूमि पर कब्जा नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हालांकि संपत्ति का अधिकार अब मौलिक अधिकार नहीं माना जाता, लेकिन यह अब भी एक संवैधानिक अधिकार है। उचित मुआवजा दिए बिना सरकार को लोगों की भूमि अधिग्रहण करने की अनुमति नहीं मिल सकती है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि उसके सामने इसतरह के कई मामले आए हैं, जिसमें हिमाचल सरकार ने राज्य उच्च न्यायालय की खंडपीठ द्वारा पारित उन आदेशों को चुनौती दी है, जिसमें भूमि मालिकों को मुआवजा देने का निर्देश दिया गया है। पीठ ने कहा कि इन परिस्थितियों में, सरकार की याचिकाओं को कठोर जुर्माना

लगाकर खारिज करना उचित होता। पीठ ने कहा, ''हालांकि, हम फिलहाल ऐसा करने से परहेज करते हुए इन याचिकाओं को खारिज करते हैं।'' पीठ ने कहा कि भूमि मालिकों ने उच्च न्यायालय से शिकायत की थी कि सड़क के निर्माण के लिए उनकी भूमि का अधिग्रहण किया गया था, लेकिन उन्हें मुआवजा नहीं मिला।

वायनाड में प्रियंका गांधी की बड़ी जीत, राहुल की जीत का रिकॉर्ड़ भी तोड़ा

नई दिल्ली ।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वायनाड लोकसभा सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कम्युनिस्ट पार्टी के सत्यन मोकेरी के मुकाबले अच्छी खासी लीड लेती दिख रही हैं। प्रियंका गांधी को 6,22,338 वोट मिले हैं। प्रियंका ने 4,10ख,931 मतों से जीत दर्ज की है। सत्यन मोकेरी को मात्र 2 लाख 11 हजार 407 मत मिले हैं। प्रियंका गांधी अपने भाई राहुल गांधी का 6 लाख से ज्यादा वोटों वाला रिकॉर्ड तो नहीं तोड़ पाईं लेकिन जीत जरुर राहुल की जीत से बड़ी हुई है। लोकसभा चुनाव 2024 में राहुल गांधी ने वायनाड सीट पर रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की थी। उन्हें 6,47,445 वोट मिले थे, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के एनी राजा को 2,83,023 वोट मिले थे। राहुल गांधी ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 3,64,422 मतों के अंतर से हराया था। प्रियंका गांधी की बात करें तो उन्होंने अपना चुनावी अभियान बहुत मजबूती से चलाया था। प्रियंका ने 4,10ख,931 मतों से जीत दर्ज की है, जो राहुल से भी बड़ी जीत है। उपचुनाव में 62 फीसदी मतदान हुआ था। लोकसभा चुनाव 2024 में वायनाड सीट पर 73.57 प्रतिशत मतदान हुआ था। हालांकि वो 6 लाख के आंकड़े तक पहुंच पाएंगी ये फिलहाल कहना मुश्किल है।

केजरीवाल का किला ढहाने बीजेपी ने बनाई रणनीति, गहलोत को दी जिम्मेदारी

दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर शुरु की तैयारी

नई दिल्ली।

दिल्ली में अगले साल आगामी विधानसभा चुनाव होना हैं। इसको लेकर बीजेपी ने चुनावी तैयारियों तेज कर दी हैं। पांच दिन पहले आम आदमी पार्टी छोड़कर आए कैलाश गहलोत को बीजेपी ने अब चुनाव से जुड़ी जिम्मेदारी सौंपी है और चुनाव संचालन समिति का सदस्य बनाया है।

बीजेपी ने चुनाव अभियान का नेतृत्व करने के लिए समिति बनाई है। इसमें प्रमुख नेताओं को शामिल किया गया है। इस समिति का मकसद दिल्ली में पार्टी की स्थिति को मजबूत करना और चुनावी अभियान की देखरेख करना है। इससे पहले पार्टी ने 23 सदस्यों की प्रदेश चुनाव संचालन समिति घोषित की थी। इस समिति की अध्यक्षता दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा करेंगे। संयोजक की जिम्मेदारी हर्षदीप मल्होत्रा को दी गई है।

कैलाश गहलोत बीजेपी नेताओं के साथ आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का आवास घेरने पहुंचे थे। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष और पार्टी कार्यकर्ताओं समेत कई नेताओं को पुलिस ने डिटेन कर लिया था। इस दौरान गहलोत ने कहा था कि हमने शीशमहल के मुद्दे पर प्रोटेस्ट करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। मैंने केजरीवाल को चिट्ठी लिखी है, जिसमें कहा है कि शीशमहल की जो कंट्रोवर्सी हुई है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह मामला आम आदमी पार्टी के मूल सिद्धांतों के साथ हुए समझौते का उदाहरण है।

गहलोत ने कहा था कि ये जो नैरेटिव बनाया जा रहा है कि मैंने ईडी या सीबीआई के दबाव में आम आदमी पार्टी छोड़ी है तो ये गलत है। मैं पेशे से वकील हूं।

मैं वकालत छोड़कर आम आदमी पार्टी से जुड़ा था क्योंकि हमें एक पार्टी में एक व्यक्ति में उम्मीद नजर आई थी। मेरा मकसद सिर्फ लोगों की सेवा करना था। इससे पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कैलाश गहलोत के बीजेपी में शामिल होने के सवाल पर कहा था कि यह गहलोत की मर्जी है, वह जहां भी जाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आंध्रप्रदेश गैंगरेप : एक और निर्भया कांड, विश्व गुरु शर्मसार ?

(लेखक - नरेन्द्र भारती)

आज कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं।आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कहीं भी महफूज नहीं है।

आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में एक क़ानून की छात्रा से कथित गैंगरेप का मामला बहुत ही शर्मनाक घटना है चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है द्यएक और निर्भया कांड हो गया विश्व गुरु की एक बार फिर फजीहत हुई है दरिंदो को सरेआम फांसी पर लटकाना होगा तभी यह सामूहिक दुष्कर्म रुक सकते हैं द्य अभी कलकत्ता दुष्कर्म व हत्याकांड की स्याही भी नहीं सुखी थी की यह कांड हो गया एक और दाग लग गया द्यदेश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं। 2024 के ग्यारह महीनों में देश में बहुत ही दुष्कर्म की वारदातें हुई हैं यह बदस्तूर जारी हैं द्यबेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है ।यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। हर जगह दरिंदे दरिन्दगी कर रहे हैं अगस्त में कलकत्ता मेडिकल कालेज की एक ट्रेनी डाक्टर के साथ गैंगरेप व हत्या का मामला बहुत ही सगीन अपराध था ऐसे दरिंदो को फांसी की सजा देनी चाहिए यह बहुत ही जघन्य अपराध है द्यगत वर्ष वाराणसी में घटित हुआ था जहाँ बीएचयू परिसर कुछ गुंडों द्वारा एक लड़की के साथ अश्लील हरकते करना व और वीडियो बनाना की घटना सामने आई थी द्य साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं ।आज कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं ।आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है ।इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है ।सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है ।महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है ।आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं ।बेखौफ दरिदें अराजकता फैला रहे है दरिदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी,अपराध की तारीख बदल जाती है ,मगर तस्वीर नहीं बदलती ।बेशक प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया गया। मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं मगर धरातल की सच्चाईयां बेहद ही खौफनाक तस्वीरें प्रस्तूत कर रही है। आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देंश के लिए अशुभ संकेत है ।आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छुह रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है ।महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता ।आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो,बस,सड़क ,गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है ।है। 2019,2020,2021,2022,2023,2024में भी दरिंदो ने दरिन्दगी जारी रखी द्यवर्ष 2024 में भी हालात सुधर नहीं रहे है । आंकड़ों के अनुसार 12 सितंबर 2018 को हरियाणा के रेवाड़ी में एक 19 साल की मेधावी छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म कर दिया था। 27 जून 2018 को मध्यप्रदेश के मंदसौर में एक सात साल की नाबालिग स्कली बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था ।यह बच्ची तीसरी में पढ़ती थी। मासूम से हुई दरिदगी व हैवानियत की यह घटना बहुत ही दिल दहलाने वाली थी। दरिदों ने जिस बर्बरता व हैवानियित से घटना को अंजाम दिया था उससे रौगटे खडे हो जाते है। दरिदों ने दरिदंगी की हदे पार कर दी थी। 16 दिसंबर 2012 सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्म की वारदात से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था ।यह रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना बहुत ही दुखद थी ।हर रोज अस्मत लूटी जा रही है ।दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदगी का सामाज्य बना रहे है ।दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है ।जंगलराज ।स्थितियां बन रही है ।कानून को धता बताकर दरिदें दरिदगी का तांडव कर रहे है। दरिदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है ।वर्ष 2024 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है ।साल के 11 माह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी ।हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है ।देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है ।इससे पहले कठुआ में भी एक बच्ची के साथ दरिदगी का मामला प्रकाश में आया था। प्रतिदिन इन अपराधों में इजॉफा होता जा रहा है ।देश में दरिदगी की वारदातें कब रुकेगीं ।गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था ।इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था ।यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं ।देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। 26 मार्च 2017 को उतर प्रदेश के लखीमपुरीमें दो नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। ऐसी वारदातें खौफनाक है ।रेप व हत्या की ऐसी घटनाएं दिल दहला देने वाली हैं ।26 मार्च को ही नई दिल्ली में एक युवक ने एक बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने दुष्कर्म किया ।देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है ।फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। बीते वर्ष 2023 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई। वर्ष 2024के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारों की शुरुआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर अगस्त माह तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हो चुकी हैं ।प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है और निरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्वि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी। गत वर्ष उतर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिग चचेरी बहनों से गैगरेप का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिगों को अगवा करके उनके साथ बदूंक की नोक पर दुष्कर्म किया था। आज बाल-विवाह हो रहे है नाबालिग लड़कियों की शादियां अधेड़ो से की जा रही है ऐसे लोगों के विरुद्व समाज को कारवाई करनी चाहिए। 16 दिसंबर 2012 को जो हादसा दिल्ली में निर्भया के साथ हुआ था उसके बाद देश में महिलाओं से होने वाले दुष्कर्मों की बाढ़ सी आ गई कि हर दिन राजधानी से लेकर शहर व गांवों में सामूहिक दुष्कर्म थमनें का नाम ही नहीं ले रहे हैं। आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं ।विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही हैं ।जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है ।देश में आज भ्रूण हत्याएं हो रही हैं नवजात शिशु झाड़ियों व कूड़ेदानों व मंदिरों में मिल रहे है जिनमें ज्यादातर शिशु लड़कियां ही होती है। आज लड़कियों से इतनी नफरत क्यों की जा रही है आदमी यह कैसे भूल रहा है कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी। देश में ऐसे मामले प्रतिदिन घटित हो रहे है। नवजात व अबोध बच्चियो से दुष्कर्म हो रहे है। गत वर्ष दिल्ली में गुड़िया के साथ ऐसा ही एक दरिंदगी हुई थी जब एक किराएदार ने उसके साथ रुह कंपा देने वाला घिनौना काम किया था ।दरिदें हर जगह दरिंदगी की शरणस्थली बना रहे ।कुछ बीमार मानसिकता के लोगो ने भारत की छवि को दागदार किया है जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खात्मा करना होगा जो देश के लिए कंलक हैं।

संपादकीय

ज़हरीली प्राणवायु

राजधानी दिल्ली व एनसीआर में अनियंत्रित वायु प्रदूषण को लेकर देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार व पुलिस को फिर फटकार लगायी है। कोर्ट ने नाराजगी जतायी कि वायु गुणवत्ता की बेहद गंभीर स्थिति होने पर सुधार हेतु ग्रैप-4 लागू करने में कोताही बरती जा रही है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार व पुलिस को आड़े हाथों लिया कि क्यों रोक के बावजूद दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश जारी है। कोर्ट ने दिल्ली में भारी वाहनों के प्रवेश की निगरानी को तेरह वकीलों को नियुक्त किया, जो सोमवार को अपनी रिपोर्ट देंगे। कोर्ट ने दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली हरियाणा व उत्तर प्रदेश सरकारों को सख्ती से ग्रैप-4 की व्यवस्था लागू करने को कहा। अदालत का कहना था कि सभी राज्यों का दायित्व है कि नागरिकों को प्रदूषण मुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जाए। दरअसल, न्यायमूर्ति अभय एस.ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ग्रैप-4 व्यवस्था लागू करने की खामियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस बात पर विश्वास नहीं किया जा सकता है कि दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया है। अदालत ने केंद्र सरकार से दिल्ली में प्रवेश के 113 स्थानों पर निगरानी के लिये पुलिस कर्मियों की तैनाती को कहा, इनमें प्रवेश के तेरह मार्ग ट्रकों के लिये हैं। दरअसल, अदालत ने दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले राज्य हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश सरकारों को 18 नवंबर को निर्देश दिया था कि ग्रैप-4 के तहत प्रतिबंधों के क्रियान्वयन के लिये तुरंत टीम गठित की जाए। कोर्ट ने सख्ती से पाबंदियां लागू न किये जाने पर नाराजगी जतायी। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरुआत में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के गंभीर से अधिक के स्तर पर पहुंचने पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान-4 लागू किया गया था। जिसके अंतर्गत ट्रकों व भारी वाहनों के दिल्ली में प्रवेश व सार्वजनिक निर्माण पर अस्थायी रोक लगा दी गई थी। प्रश्न है कि क्यों हमारी सरकार जन-स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में तब तक सोयी रहती है, जब तक कि पानी सिर के ऊपर से न गुजरने लगे। क्यों हर साल शीर्ष अदालत को सरकार, पुलिस व पर्यावरण संरक्षण हेतु बनी संस्थाओं को नींद से जगाना पड़ता है? क्यों अदालत पहले आदेश दे और फिर उसके क्रियान्वयन की निगरानी करे? क्यों सरकारें आग लगने पर कुंआ खोदने की फितरत से बाज नहीं आती। अदालत ने कहा कि हर नागरिक को स्वच्छ हवा देना सरकारों का दायित्व है तो क्या सरकारें जिम्मेदारी निभा रही हैं? सर्दी की दस्तक देते ही हर साल अक्तूबर-नवंबर में प्रदूषण संकट पैदा होता है, फिर भी सारे साल प्रदूषण को काबू करने के उपया क्यों नहीं किए जाते? क्यों प्रदूषण संकट गंभीर स्थिति में पहुंचने के बाद सरकारें हाथ-पैर मारना शुरू करती हैं? कल्पना कीजिए श्वसनतंत्र व दमा जैसे रोगों से ग्रस्त लोग इस भयावह प्रदूषण संकट से कैसे जूझ रहे होंगे? विडंबना ही कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसे परिवेश-पर्यावरण छोड़ेंगे। सवाल हवा का ही नहीं, पानी पर भी बड़ा संकट है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने नासा व जर्मनी के उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर चिंता बढ़ाने वाला खुलासा किया कि वर्ष 2014 के बाद से स्वच्छ जल के स्तर पर अप्रत्याशित गिरावट देखी गई है। निश्चित रूप से इस स्थिति के लिये हम सब सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं।

मोदी जी को कोई नहीं झुका सकता

(लेखक - राकेश अचल)

7 आप माने या न मानें लेकिन मै मानता हूँ कि देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी अपने संकल्पों के धनी हैं । उन्हें उनके दृढ संकल्पों से कोई टस से मस नहीं कर सकता। दुनिया की कोई भी आसमानी-सुल्तानी ताकत उन्हें झुका नहीं सकती,वे अपनी मर्जी से झुक जाएँ ये अलग बात है। मोदी जी के इसी विशेष गुण की वजह से मै उनका मुरीद हूँ [अंधभक्त नहीं]

क्या आपको पता है कि मोदी की सरकार में डेढ़ साल से जल रहे मणिपुर में शांति बहाली के लिए केंद्र ने मणिपुर में पूरे 10 हजार सुरक्षा बलों को भेजा है। इतनी फ़ौज तो संविधान के अनुच्छेद 370 का सुख भोग चुके जम्मू-काश्मीर में भी कभी नहीं भेजी गयी। असम ,अरुणाचल प्रदेश ,नगालैंड नहीं भेजी गयी। मणिपुर में शांति की स्थापना के लिए मोदी जी सब कुछ तो कर रहे हैं ,लेकिन वहां जा नहीं रहे। अब नहीं जा रहे तो नहीं जा रहे किसी को क्या परेशानी है। मोदी जी कोई पानी हैं जो मणिपुर की आग को एक झटके में बुझा देंगे ?

कुछ सिरफिरों का मानना है कि यदि मणिपुर की अग्निभूमि पर माननीय मोदी जी के चरण एक बार पड़ जाएँ तो मणिपुर शांत हो सकता है । मोदी जी मणिपुर से जितना परहेज कर रहे हैं ,उसी मणिपुर में आग बुझाने के बजाय और भड़क रही है ।मणिपुर छोटा सा राज्य है लेकिन इस राज्य के चरमपंथियों के पास जो असलाह है वो भारत के सुरक्षा बलों से ज्यादा मारक और आधुनिक है। आखिर ये सब चरमपंथियों को मिल कहाँ से रहा है ? मोदी जी के रहते कोई भारत की और आँख उठाकर भी नहीं देख सकता ,ऐसे में कौन है जो मणिपुर कि चरमपंथियों को लगातार गोला-बारूद और ड्रोन मुहैया करा रहा है ?

मणिपुर की समस्या दरअसल मणिपुर कि लोगों की समस्या है मोदी जी की नही। मणिपुर और मोदी जी अलग-अलग संज्ञाएँ हैं। दोनों को एक नजर से देखना अनुचित है। अब मोदी जी 1947 कि पहले कि महात्मा गांधी तो हो नहीं सकते जो मणिपुर के दंगाग्रस्त क्षेत्रों में जाएँ और उपवास करने बैठ जाएँ ! ये काम गांधीवादियों का है मोदी जी का नहीं। उनका वाद तो दूसरा है। गांधीवाद से एकदम जुदा। मोदी जी के पास गांधी नहीं है, फ़ौज है। उनके पास जो है वो मणिपुर भेजा जा रहा है या नहीं ? मोदी जी के लिए मणिपुर से ज्यादा रूस और यूक्रेन का युद्ध है। वे उसे रुकवाने में जी-जान से लगे हैं। जितनी मेहनत मोदी जी ने रूस और यूक्रेन की जंग रुकवाने के लिए की है उतनी किसी और ने की हो तो बताइये ? अब मणिपुर यूक्रेन से तो बड़ा नहीं है न !

मोदी जी ने मणिपुर के हित में ही शायद वहां न जाने का निर्णय किया है। मुमकिन है कि मोदी जी के मणिपुर जाने से वहां हिंसा थमने के बजाय और भड़क जाये। हो सकता है कि चरमपंथी मोदी जी के मणिपुर आगमन को अन्यथा ले लें। ऐसे में उनका वहां न जाना ही मणिपुर की जनता और देश के हित में है। वैसे भी मोदी जी को कोई भी आसमानी-सुल्तानी ताकत मणिपुर जाने के लिए तैयार नहीं कर सकती। मोदी जी क्या उनके संघ परिवार का भी कोई सदस्य वहां अपनी भागवत सुनाने नहीं जा सकता। संघ परिवार को मणिपुर में जो करना था सो वो कर चुका है। संघ परिवार ने मान लिया है की मणिपुर को हिन्दू राज्य बनाने की कोशिश बेकार है । वो तो जब देश हिन्दू राष्ट्र बनेगा तब मणिपुर अपने आप हिन्दू राज्य बन जाएगा।

जैसा कि मैंने शुरूमें ही कहा की मोदी जी को न कोई डरा सकता है और न कोई उन्हें ब्लैकमेल ही कर सकता है। भले ही ये कोशिश करने वाले जेडीयू वाले हों या टीडीपी वाले। मणिपुर वालों ने सारे घोड़े खोल दिए लेकिन मोदी जी ने मणिपुर की डबल इंजिन की सरकार को न बर्खास्त किया और न ही वहां की मुख्यमंत्री को बदला। आखिर क्यों बदलें ? मुख्यमंत्री बदलने से कोई हिंसा रुक सकती है। मुख्यमंत्री बदलने के प्रयोग तो गुजरात और उत्तराखंड में ही पुसाते हैं। मोदी जी ने उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री बदला क्या ? यूपी की अनेक मंत्री,उप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बदलने की मांग करते-करते थक गए ,लेकिन मोदी जी को झुका नहीं सके।

मोदी जी को न इस देश की संसद झुका सकती है और न देश की सबसे बाद अदालत है। झुकना और न झुकना ये नैसर्गिक स्वभाव होते हैं। इन्हें बदलना इतना आसान नहीं होता। मोदी जीकोई इंदिरा गाँधी हैं जो हवा का रुख देखकर बदल जाएँ। बदलाव अपने आप होता है। अब देखते हैं की मोदी जी ए-2 के अरेस्ट वारंट की बाद झुकते हैं या नहीं ? वैसे हम सुनते आये हैं कि - झुकती है दुनिया ,झुकाने वाला चाहिए। आपकी नजर में ऐसा कोई हो तो जरूर बताइये। क्योंकि हम सब यानि ये पूरा देश चाहता है कि मोदी जी मणिपुर की जनता की आगे झुकें । देश की संसद की आगे झुकें। मुझे तो ये भी लगता है कि ये कहावत भी सच नहीं है कि- फलदार वृक्ष विनम्रता से झुकता है । यदि ये कहावत सही होती तो मोदी जी भी जरूर झुकते । मोदी जी जैसा फलदार वृक्ष राजनीति में तो कम से कम कोई दूसरा नहीं है। राहुल गांधी तो बिलकुल नहीं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को श्रृंग्वेरपुर धाम जा ही रहे हैं न ! वहां उन्हें भगवान राम और निषादराज की गले मिलती हुई प्रतिमा का अनावरण करना है। मोदी जी अरैल से संगम तक वह निषादराज क्रूज से आएंगे। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है।

(चिंतन-मनन)

बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है। जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टतः क्षेत्रज्ञ है। कभी-कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियां हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह-तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं- जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तुम या अन्य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है- अर्थात वह कर्म-क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है- साक्षात कर्म-क्षेत्र है।

विचार मंथन

युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति और उसका हल

(लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान)

आधुनिक समाज के लिए आत्महत्या एक बड़ा ज्वलंतकारी मुद्दा बना हुआ है। खासतौर पर तब जबकि दो से चार दशकों से पहले की अपेक्षा आज के समाज में ऐशा-ओ-आराम के साधनों की कोई कमी नहीं है। रोजगार के अवसर भी मनचाहे हैं, बावजूद इसके देश में आत्महत्या के आंकड़े डरावने नजर आते हैं। वैसे तो प्रत्येक व्यक्ति में आत्महत्या करने का अपना एक अलग कारण होता है। कुछ डिप्रेशन और तनाव की वजह से आत्महत्या करने को मजबूर होते हैं तो कुछ के पास मेडिकल कारण भी होता है। इसके अतिरिक्त जब इंसान अपनी परेशानियों से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं पाता, तब वह आत्महत्या की ओर अग्रसर होता है। संयुक्त परिवार में इस तरह की धारणा कम पाई जाती थी, लेकिन एकल परिवार के चलन ने इसमें बढ़ोत्तरी कर दी है। यही कारण है कि जब एनसीआरबी ने अपनी रिपोर्ट पेश की तो उसमें आत्महत्या करने के कारणों के बारे में बताते हुए कहा कि फैमिली प्रॉब्लम और एड्स व कैंसर जैसी घातक बीमारियों से तंग आकर लोग सबसे ज्यादा आत्महत्या करते हैं। विगत वर्ष ही 32फीसदी आत्महत्याएं फैमिली प्रॉब्लम के कारण हुईं, जबकि 19 फीसदी बीमारी की वजह से हुई। कुल मिलाकर बढ़ते सोसाइड केस आधुनिक समाज में युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर बढ़ते संकट की गंभीरता को ही उजागर करता है। आर्थिक और तकनीकी प्रगति ने जहां एक ओर रोजगार और जीवन की संभावनाओं को बढ़ाया है तो वहीं दूसरी ओर, सामाजिक दबाव, अत्याधिक अपेक्षाएं और प्रतिस्पर्धा ने मानसिक तनाव और अस्थिरता को भी जन्म दे दिया है। यूनिसेफ की रिपोर्ट की बात करें तो इसमें बताया गया कि भारत में 15 से 24 साल का हर 7 में से 1 व्यक्ति खराब मेंटल हेल्थ से जूझ रहा है। इसमें डिप्रेशन के लक्षण को भी शामिल किया गया है। हैरानी की बात यह है कि सर्वे में शामिल सिर्फ 41फीसदी लोग ही मेंटल हेल्थ की चुनौतियों से निपटने के लिए काउंसलर के पास जाना उचित समझते हैं। ऐसे में आत्महत्या प्रवृत्ति को रोकना वाकई एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि चिकित्सक के पास गए बिना बीमारी का इलाज कैसे संभव होगा। इसका समय रहते हल भी निकालना होगा, क्योंकि आगे आने वाला समय और भी ज्यादा विस्फोटक हो सकता है, जबकि एआई का दखल हर क्षेत्र में होने जा रहा है। इसलिए युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने की भी महति आवश्यकता है। यहां मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य व्यक्ति की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्थिरता से है। यह उसे जीवन की चुनौतियों का सामना करने, सही निर्णय लेने और समाज में योगदान देने में सक्षम बनाता है। महानगरीय चकाचौंध और भौतिकतावाद ने जीवन को अधिक प्रतिस्पर्धी और तनावपूर्ण बना दिया है। कई नई बीमारियां, जो पहले केवल वृद्धावस्था में होती थीं, अब युवाओं और किशोरों में भी देखने का मिल रही हैं।

उच्च वेतन और बेहतर करियर के बावजूद युवा अपने जीवन को समाप्त करने का कदम उठाते दिख रहे हैं। यह चिंतनीय बात है। जब हम सोसाइड मामलों को इंटरनेट पर सर्च करते हैं तो छात्र-छात्राओं की आत्महत्या के ढेरों मामले सामने आ जाते हैं। छात्रों द्वारा की जाने वाली आत्महत्या को लेकर हुए एक खुलासे के अनुसार भारत में आबादी इतनी तेजी से नहीं बढ़ रही, जितनी तेजी से छात्रों के सोसाइड का रेशो बढ़ रहा है। इसलिए देश में छात्रों में सुसाइडल टेंडेंसी का तेजी से बढ़ना वाकई चिंतनीय विषय है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में आत्महत्या के मामले हर साल 2 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं, जबकि छात्रों में आत्महत्या के मामलों की दर सालाना 4फीसदी तक बढ़ी है।

इन आंकड़ों को सत-प्रतिशत सही नहीं माना जा सकता, क्योंकि छात्रों की सुसाइड के अनेक मामलों को तो दर्ज भी नहीं किया जाता। रिपोर्ट की मानें तो पिछले एक दशक में 24 साल तक के युवाओं की आबादी 58.2 करोड़ से घटकर 58.1 करोड़ हो गई, जबकि इसी दौरान छात्रों की सुसाइड के मामले 6,654 से बढ़कर 13,044 हो गए। इससे समझा जा सकता है कि यह समस्या कितनी गंभीर होती जा रही है। युवाओं द्वारा आत्महत्या करने के कारण तो लगभग सामने आ ही चुके हैं, जिनमें प्रमुख रुप से मानसिक दबाव, अत्याधिक अपेक्षाएं, और जीवन में अचानक आने वाली समस्याओं को संभालने में असमर्थता ज्यादा प्रभावी हैं। अब इनका हल खोजने की आवश्यकता है। इस दिशा में सबसे पहले आधुनिक समाज में व्यक्तिवाद ने पारिवारिक और सामाजिक जुड़ाव को जो कमजोर किया है, उसे दुरुस्त करने की महति आवश्यकता है। इसके बाद सामाजिक अलगाव और अकेलापन युवाओं को निराशा और तनाव का शिकार बनाता है, ऐसे में समाज में अलग-अलग समूह बनाकर लोगों के बीच में अच्छे व सकारात्मक विचारों के साथ जाने और मिलने-जुलने की आवश्यकता भी है।

क्रांति समय

रविवार 24 नवंबर 2024

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब फ्लाइट में देरी होने पर यात्रियों को मिलेगी राहत

- यात्रियों को विमान में बैठे रहने की बाध्यता नहीं होगी

नई दिल्ली । सर्दियों में उत्तर भारत में कम विजिबिलिटी के कारण फ्लाइट्स समय पर उड़ान नही भर पाती है। इसे लिए अब डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने यात्रियों की इन समस्याओं को कम करने के लिए एयरलाइंस पर सख्ती बढ़ा दी है। फ्लाइट डिले की स्थिति में यात्रियों को सुविधाएं प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने डीजीसीए के निर्णय की जानकारी साझा की। निर्देशों के अनुसार नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो ने यात्रियों के लिए एक और बड़ी सुविधा दी है। यदि तकनीकी कारणों या खराब मौसम के कारण फ्लाइट में देरी होती है, तो यात्रियों को विमान में बैठे रहने की बाध्यता नहीं होगी। वे एयरपोर्ट पर आराम से इंतजार कर सकते हैं और फ्लाइट तैयार होने पर दोबारा विमान में चढ़ सकेंगे। इस प्रक्रिया को लागू करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ ड्रिल की जा रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि ये प्रावधान यात्रियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने और लंबे इंतजार के दौरान उनके अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किए गए हैं।

गुजरात के जीएसटी विभाग ने 3.53 करोड़ की कर चोरी पकड़ी

- कंपनियां वास्तविक आय को छिपा रही थीं

अहमदाबाद । गुजरात राज्य जीएसटी विभाग ने सात वाणिज्यिक संस्थाओं की तलाशी के दौरान 3.53 करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया। एक अधिकारी ने कहा कि ये कंपनियां वास्तविक आय को छिपा रही थीं, बिना चालान के बिक्री कर रही थीं और कर देनदारी को कम करके दिखा रही थीं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राज्य में उपभोक्ताओं के साथ लेनदेन करने वाली संस्थाओं (बी2सी) द्वारा माल और सेवा कर (जीएसटी) की चोरी की आशंका में सात परिसरों में तलाशी ली गई थी। बयान में कहा गया कि इन फर्मों में अहमदाबाद के दो बैटरी डीलर, डांग जिले के वाघई में चार तंबाकू डीलर और नाडियाड के खेड़ा शहर में एक सैलून शामिल हैं।

अपाचे आटीआर 160 4वी का अपडेटेड वर्जन लांच

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में टीवीएस अपाचे आटीआर 160 4वी का अपडेटेड वर्जन लॉन्च कर दिया है। इस एडवांस वर्जन की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 1.40 लाख रखी गई है। इस बाइक में 159.7सीसी का ऑयल-कूल्ड फ्यूल-इंजेक्टेड 4-वॉल्व इंजन दिया गया है, जो 17.55 पीएस की पावर और 14.73 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह इंजन अपनी स्मूथ परफॉर्मेंस और शानदार माइलेज के लिए जाना जाता है। बाइक में 37एमएम का यूएसडी फोर्क और तीन राइडिंग मोड्स - स्पोर्ट, अर्बन और रेन दिए गए हैं, जिससे अलग-अलग कंडीशन्स में बेहतर राइडिंग अनुभव मिलता है। अपाचे आटीआर 160 4वी टीवीएस की स्मार्ट एक्सोनेट तकनीक दी गई है, जो बाइक को ब्लूटूथ से कनेक्ट करने की सुविधा देती है। इसके जरिए टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, कॉल और एसएमएस अलर्ट, और वॉयस असिस्ट जैसे फीचर्स मिलते हैं। साथ ही इसमें जीटीटी (ग्लाइड थ्रू ट्रैफिक) तकनीक दी गई है, जो ट्रैफिक में स्मूथ राइडिंग में मदद करती है। बाइक में ड्यूल-चैनल एबीएस, एलईडी हेडलाइट, टेललैंप, और नया बुलपुप एग्जॉस्ट दिया गया है। टीवीएस मोटर्स के प्रीमियम बिजनेस हेड विमल सुंबले ने कहा, टीवीएस अपाचे आटीआर 160 4वी भारतीय बाजार में प्रदर्शन मोटरसाइकिलों का मानक है। यह नई बाइक उन्नत तकनीक और स्टाइल के साथ हमारे ग्राहकों की उम्मीदों को पूरा करेगी। हम प्रदर्शन, प्रौद्योगिकी और डिजाइन के इस नए स्तर से उत्साहित हैं। टीवीएस अपाचे आटीआर 160 4वी नई सुविधाओं और दमदार परफॉर्मेंस के साथ उन राइडर्स के लिए एक बेहतरीन विकल्प है, जो स्टाइल और तकनीक का परफेक्ट मिश्रण चाहते हैं।

भारतीयों को ब्रांड भारत बनाने पश्चिम के फरमानों पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए: सीतारमण

- प्राचीन काल से ही विज्ञान में भारत की ताकत अटूट रही है

बेंगलुरु ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव 2024 में कहा कि अगर हम 'ब्रांड भारत' बनाना चाहते हैं, तो हमें सही क्या है, इस बारे में पश्चिम के फरमानों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम हजारों साल से वस्तुओं का उत्पादन कर रहे हैं, शोषण की बात कभी नहीं उठी और अचानक एक पारंपरिक उद्योग जैसे, मान लीजिए, कालीन बनाने के काम के लिए, आपको पश्चिम के खरीदारों से एक फरमान आया कि आप इन कालीनों को बनाने के लिए बच्चों का उपयोग कर रहे हैं। हम इसे आपसे नहीं खरीदेंगे। सीतारमण ने कहा कि भारत में परिवार बच्चों को स्कूली शिक्षा से वंचित किए बिना शिल्पकार बनाने में लगे हुए हैं, क्योंकि जब तक शिल्प बहुत कम उम्र में नहीं सीखा जाता है, एक शिल्पकार कभी इसमें महारत हासिल नहीं कर सकता। ऐसे में हमें खड़े होकर कहना होगा कि हम उनकी शिक्षा का ख्याल रखते हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर नैतिक उत्पादन के लिए जिस तरह के कदम उठाने की जरूरत है, वे हमारी तरफ से अपने आप होने चाहिए, न कि पश्चिमी फरमानों के जारी होने के बाद किए जाने चाहिए। सीतारमण ने यह भी कहा कि हमारे मंदिरों और हमारे प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का महत्व अभी की तुलना में बहुत अधिक होना चाहिए। लोगों को यह बताने की जरूरत है कि प्राचीन काल से ही विज्ञान में भारत की ताकत अटूट रही है। सीतारमण ने कहा कि भारत के पास सुश्रुत संहिता जैसे प्राचीन ग्रंथों की बदौलत ज्ञान का समृद्ध भंडार है। ये प्राचीन भारत के ब्रांड हैं, जिनका हम आज भी उल्लेख करते हैं।

आईआईएफसीएल की 60 करोड़ डॉलर जुटाने एडीबी, कोरियाई बैंक से चल रही बातचीत

- कंपनी राशि का इस्तेमाल निवेशक आधार को बढ़ाने और उधार लेने की लागत कम करने के लिए करेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाने के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और कोरियाई एक्जिम बैंक के साथ बातचीत कर रही है। आईआईएफसीएल ने कहा कि वह इस राशि का इस्तेमाल अपने निवेशक आधार को बढ़ाने और उधार लेने की लागत कम करने के लिए करेगी। आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक पीआर जयशंकर ने यहां निवेशक सम्मेलन में कहा कि बातचीत अग्रिम चरण में है और समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आईआईएफसीएल एक बार में पूरे 60 करोड़ अमेरिकी डॉलर उधार लेने की इच्छुक है। हालांकि इतनी धनराशि की उपलब्धता उधार देने वाली एजेंसी पर निर्भर है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष के दौरान लगभग 20 करोड़ करोड़ डॉलर आ सकते हैं और बाकी राशि 2025-26 में आएगी।

भारत में रक्षा क्षेत्र में बड़ा विस्तार: एमआरओ क्षेत्र में भारत की तैयारी

- घरेलू कंपनियां वैश्विक एरोस्पेस दिग्गजों के साथ मिलकर काम करेंगी

नई दिल्ली। भारत का रक्षा रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में विस्तार के लिए तैयार है। इस क्षेत्र में विश्वस्तरीय एमआरओ केंद्र स्थापित करने के लिए घरेलू कंपनियां वैश्विक एरोस्पेस दिग्गजों के साथ मिलकर काम करेंगी। लॉकहीड मार्टिन और बोइंग जैसी कंपनियों के निवेश और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) जैसी भारतीय कंपनियों के साथ क्रियान्वयन में बड़ी सहायता मिलेगी। भारत को एक क्षेत्रीय सैन्य विमानन रखरखाव केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए उद्योग और नीतिगत सुधारों के बल पर अगले पांच वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। भारत में रक्षा प्लेटफॉर्मों की बढ़ती भागीदारी और वैश्विक रक्षा मूल उपकरण विर्माताओं (ओईएम) का समर्थन करने वाले स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को बढ़ावा मिलेगा। लॉकहीड मार्टिन के निदेशक निक स्मिथ ने इस क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में भारत के लिए क्षेत्रीय स्थान साबित होने का दावा किया। एमआरओ क्षेत्र में होने वाले बड़े निवेश की उम्मीद है जो लाखों डॉलर का हो सकता है। भारत को राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति 2016, एमआरओ दिशानिर्देश 2021 और जीएसटी दरों में परिवर्तन करने की जरूरत है ताकि विस्तार में कोई रूकावट न आए। इसमें जो चुनौतियां हैं, उन्हें दूर करके भारत एक गरिमामय रक्षा एमआरओ क्षेत्र बनाने की दिशा में बढ़-चढ़ कर बढ़ रहा है।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताह भर रही तेजी

मुंबई ।

इस सप्ताह बैंकिंग शेयरों में खरीदारी, आईटी इंडेक्स में तेजी और एफएमसीजी इंडेक्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसयू बैंक शेयरों में खरीदारी की वजह से शेयर बाजार में तेजी देखी गई। बुधवार 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की वजह से घरेलू शेयर बाजार में कारोबार नहीं हुआ, जिससे इस सप्ताह केवल चार दिन ही शेयर बाजार खुले रहे। विदेशी फंडों की लगातार निकासी, आईटी शेयरों में बिकवाली और अमेरिकी बाजारों से कमजोर संकेत के कारण सोमवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक फिर फिसल गए। बीएसई सेंसेक्स 511 अंक गिरकर 77,058 पर खुला और 241.30 अंक गिरकर 77,339.01 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 162 अंक गिरकर 23,370 पर खुला और 78.90 अंक गिरकर 23,453.80 पर बंद हुआ। मंगलवार को बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी से उछाल आया और सात सत्रों की गिरावट थम गई, इस दौरान एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 1044.89 अंक बढ़कर 78,383.90 पर खुला और 239.38 अंक की बढ़त के साथ 77,578.38 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 50 304.50 अंक बढ़कर 23,758.30 पर खुला और 64.70 अंक की बढ़त के साथ 23,518.50 अंक पर बंद हुआ। अदाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट और विदेशी फंड के निरंतर निकासी के बीच गुरुवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई।

शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 468.17 अंक गिरकर 77,110.21 अंक पर खुला और 422.59 अंक गिरकर 77,155.79 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 179.75 अंक गिरकर 23,338.75 अंक पर खुला और 168.60 अंक गिरकर 23,349.90 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बावजूद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सुबह की शुरुआत में सेंसेक्स 750 अंक की तेजी के साथ 77,920 के स्तर पर खुला और 1,961.32 अंक चढ़कर 79,117.11 पर बंद हुआ। निफ्टी 230 अंक तेज होकर 23,580 के स्तर पर खुला और 23,900 अंकों के पार 557.35 अंकों की बढ़त के साथ 23,907.25 पर बंद हुआ।

टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी

जिन एजेंसियों को डेटा इकट्ठा करने का अधिकार मिलेगा, उन्हें इसे गोपनीय तरीके से स्टोर करना होगा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने साइबर सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए टेलीकॉम कंपनियों के लिए नए नियम जारी किए हैं। इन नियमों के तहत केंद्र सरकार अपनी किसी एजेंसी के माध्यम से टेलीकॉम कंपनियों से ट्रैफिक डेटा या अन्य डेटा की मांग कर सकती है। यह डेटा संदेशों के कंटेंट के अलावा अन्य किसी फॉर्मेट में हो सकता है और इसे स्टोर और प्रोसेस करने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे की स्थापना की जा सकती है। नए नियमों के अनुसार जिन एजेंसियों को डेटा इकट्ठा करने का अधिकार मिलेगा, उन्हें इसे गोपनीय तरीके से स्टोर करना होगा। इसके लिए टेलीकॉम कंपनियों को एक साइबर पॉलिसी अपनानी होगी, जिसमें सिक्योरिटी से संबंधित रिस्क मैनेजमेंट, नेटवर्क टेस्टिंग, ट्रेनिंग और रिस्क असेसमेंट जैसी प्रक्रियाएं शामिल होंगी। टेलीकॉम कंपनियों को अब चीफ टेलिकम्युनिकेशंस सिक्योरिटी ऑफिसर की नियुक्ति करनी होगी। इस अधिकारी का काम सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं के दौरान तत्काल उपाय करना होगा। सुरक्षा से जुड़ी किसी भी घटना को केंद्र सरकार को 6 घंटे के भीतर रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही घटना की विस्तृत जानकारी जैसे पीड़ित यूजर्स की संख्या, स्थान

और घटनाओं का असर भी 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट करना होगा। नए नियमों के तहत भारत में बने या आयात किए गए सभी फोन डिवाइस का आईएमईआई नंबर रजिस्टर करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य फर्जी डिवाइस और अवैध गतिविधियों को रोकना है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 17.76 अरब डॉलर की गिरावट

- पिछले सप्ताह यह भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर था

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार समाप्त सप्ताह में 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। पिछले सप्ताह यह भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर था। सितंबर के अंत में भंडार 704.88 अरब डॉलर के उच्चस्तर पर था, फिर से उसमें पिछले कई हफ्तों से गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 15.55 अरब डॉलर घटकर 569.83 अरब डॉलर रहीं। इसमें उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियां शामिल हैं, जिनमें यूरो, पाउंड, और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राएं होती हैं। साथ ही स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 2.07 अरब डॉलर घटकर 65.75 अरब डॉलर रहा और विशेष आहरण अधिकार 9.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.06 अरब डॉलर पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 5.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.25 अरब डॉलर पर आ गया। इन आंकड़ों की छठे संख्याक चिह्न है, जो देश की विदेशी मुद्रा संबंधी स्थिति को दर्शाते हैं।

महिंद्रा लाइफस्पेस की इकाई सुमितोमो चेन्नई औद्योगिक पार्क में करेगी 225 करोड़ का निवेश

- औद्योगिक पार्क वर्तमान में 307 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी और जापान सुमितोमो कॉरपोरेशन तमिलनाडु में अपनी मौजूदा औद्योगिक पार्क परियोजना के विस्तार के लिए करीब 225 करोड़ रुपये निवेश करेंगी। औद्योगिक पार्क वर्तमान में 307 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें वैश्विक और घरेलू कंपनियां अपनी औद्योगिक सुविधाएं स्थापित कर रही हैं। महिंद्रा लाइफस्पेस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी महिंद्रा वर्ल्ड सिटी डेवलपर्स लिमिटेड (एमडब्ल्यूसीडीएल), सुमितोमो कॉरपोरेशन और महिंद्रा इंडस्ट्रियल पार्क चेन्नई लिमिटेड (एफआईपीसीएल) ने तमिलनाडु में मौजूदा औद्योगिक पार्क के विस्तार के लिए एक 'पूरक संयुक्त उद्यम समझौता' किया है। महिंद्रा इंडस्ट्रियल पार्क चेन्नई लिमिटेड (एफआईपीसीएल), एमडब्ल्यूसीडीएल की अनुषंगी कंपनी है। महिंद्रा लाइफस्पेस के पास एमडब्ल्यूसीडीएल में 89 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (टीआईडीसीओ) के पास शेष 11 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा एमडब्ल्यूसीडीएल के पास एमआईपीसीएल में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है और शेष 40 प्रतिशत हिस्सेदारी सुमितोमो कॉरपोरेशन (जापान) के पास है। कंपनी सूचना के अनुसार संयुक्त उद्यम साझेदारों यानी एमआईपीसीएल के शेयरधारकों ने परियोजना के विकास के लिए करीब 225 करोड़ रुपये निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। पूंजी निवेश संयुक्त उद्यम साझेदारों की मौजूदा शेयरधारिता के अनुसार उसी अनुपात में किया जाएगा।

महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स के एक वेरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि महिंद्रा लाइफस्पेस में हम औद्योगिक संकुल और एकीकृत शहरों को विकसित करने पर गर्व महसूस करते हैं जो आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देते हैं तथा व्यवसायों का समर्थन करते हैं।

अडानी समूह की मुश्किलें बढ़ेंगी, अब सेबी ने भी मागा जवाब

- सेबी भी जानना चाहता है कि क्या अडानी समूह ने खुलासा मानदंडों का उल्लंघन किया है

नई दिल्ली ।

अमेरिका में गौतम अडानी और अडानी समूह से जुड़े 7 अन्य व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल होने के बाद अब बाजार नियामक सेबी भी यह जानना चाहता है कि क्या अडानी समूह ने खुलासा मानदंडों का उल्लंघन किया। सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों को अडानी समूह की कंपनियों से अमेरिकी न्याय विभाग और सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन मामलों से संबंधित लिस्टिंग नियमों के उल्लंघन की जानकारी मांगने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि 21 नवंबर को अमेरिकी न्याय विभाग ने अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी और समूह से जुड़े सात अन्य लोगों पर भारत में कारोबार हासिल करने के लिए रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अडानी समूह ने इन आरोपों से इनकार करते हुए इन्हें निराधार बताया है। समूह ने कहा कि वह सभी कानूनी विकल्प का उपयोग करेगा। एक्सचेंजों ने अडानी समूह से पूछा है कि क्या अमेरिका में जांच के खुलासे में कोई चूक या देरी हुई थी, जिसके तहत समूह के चेयरमैन गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी को 20 नवंबर को आरोपी बनाया गया है। सूत्रों ने कहा कि फिलहाल अधिकारियों या कंपनियों के

खिलाफ कोई जांच शुरू नहीं हुई है। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा है कि ऐसी किसी भी जांच या कार्रवाई में काफी देर होती है। फिलहाल में सभी प्रक्रियाएं हमारे निगरानी तंत्र के दायरे में हैं।

अदाणी ग्रुप को करना पड़ सकता है फंडिंग संकट का सामना

- कुछ बैंक अदाणी ग्रुप को नए कर्ज देने पर अस्थायी तौर पर लगा सकते हैं रोक

नई दिल्ली ।

गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिकी अधिकारियों द्वारा 265 डॉलर मिलियन के कथित रिश्वत मामले में गिरफतारी वारंट हुआ है जिसके बाद अदाणी ग्रुप को फंडिंग संकट की मुश्किलें सामने आ सकती हैं। क्रेडिट एनालिस्ट्स कहते है कि कुछ बैंक अदाणी ग्रुप को नए कर्ज देने पर अस्थायी तौर पर रोक लगा सकते हैं। अदाणी ग्रुप के बॉन्ड्स में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। अदाणी के अंतरराष्ट्रीय कर्जदाता बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने अपने संस्थानों के भीतर कई बार बातचीत की है। चर्चा इस बात पर है कि इस मामले का अदाणी ग्रुप की वित्तीय स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। एक रिसर्च फर्म ने कहा है कि अदाणी ग्रुप के ग्रीन एनर्जी कारोबार, जो इन आरोपों के केंद्र में है, के लिए रीफाइनेंसिंग सबसे बड़ी चिंता है। एक रेटिंग एजेंसी ने चेतावनी दी है कि ग्रुप को अपनी बड़े पैमाने पर विस्तार योजनाओं के लिए नियमित रूप से इक्विटी और कर्ज बाजार तक पहुंच की जरूरत होगी। हालांकि, मौजूदा स्थिति में निवेशकों का भरोसा कमजोर हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय और कुछ अंतरराष्ट्रीय बैंक और बॉन्ड निवेशक अदाणी ग्रुप को एक इकाई के रूप में देखते हैं। वे ग्रुप पर अपने एक्सपोजर को सीमित करने के लिए कदम उठा सकते हैं। अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी और सात अन्य लोगों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भारतीय सरकारी अधिकारियों को 265 मिलियन की रिश्वत देने की योजना बनाई थी। इसका उद्देश्य 20 वर्षों में 2 डालर बिलियन के लाभ वाले अनुबंध और भारत की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना हासिल करना था। अदाणी ग्रुप ने इन आरोपों को बेबुनियाद और गलत बताते हुए खारिज किया है। कंपनी ने कहा कि वह कानूनी विकल्पों का सहारा लेगी।

भारत सरकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा देगी

- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन बढ़ाने और चीन पर निर्भरता घटाने भारत देगा 4-5 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पुर्जों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा देने के लिए योजना बनाई है। इस योजना के तहत सरकार 5 अरब डॉलर तक का प्रोत्साहन देने की योजना बना रही है। इसका मुख्य उद्देश्य उद्योग को मजबूत करना और चीन से आयात पर निर्भरता को कम करना है। दो सरकारी अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। पिछले छह सालों में भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन दोगुने से भी ज्यादा बढ़कर 2024 में 115 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसमें एप्पल और सेमसंग जैसी वैश्विक कंपनियों की मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में बढ़ोतरी का बड़ा योगदान है। भारत अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा स्मार्टफोन सप्लायर बन गया है। यहां तक कि इस सेक्टर की आलोचना इसके पुर्जों के आयात पर भारी निर्भरता के लिए की जा रही है, खासकर चीन जैसे देशों से। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने यह योजना तैयार की है। नई योजना से प्रिंटेड सर्किट बोर्ड जैसे मुख्य पुर्जों के उत्पादन को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे घरेलू वैल्यू एडिशन बढ़ेगा और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए स्थानीय सप्लाई चेन मजबूत होगी। यह योजना अगले 2-3 महीनों में लॉन्च की जा सकती है। इसमें वैश्विक या स्थानीय कंपनियों को 4-5 अरब डॉलर तक का प्रोत्साहन देने की उम्मीद है। इस योजना की अंतिम मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय की जल्द ही मंजूरी देने की उम्मीद है। नीति आयोग के अनुसार, भारत का लक्ष्य 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाना है, जिसमें 150 अरब डॉलर के पुर्जों का निर्माण शामिल है। इस योजना के लॉन्च होने पर भारत वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के लक्ष्यों को हासिल करने की संभावना है। सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के प्रमुख अधिकारी ने भी इस योजना की महत्वकांक्षा को साबित करते हुए कहा है कि यह योजना भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मंदी में बड़े लक्ष्यों की ओर अग्रसर कर सकती है। इसके लिए सरकार ने मुख्य उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह योजना बनाई है जिसके तहत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्थानीय निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी:जायसवाल-राहुल के नाबाद अर्धशतक, भारत की पकड़ मजबूत

दूसरी पारी में बगैर किसी नुकसान के बनाए 172 रन, कुल 218 रन की बढ़त

पर्थ (एजेंसी)। कप्तान जसप्रीत बुमराह 30 रन पर 5 विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 90) और केएल राहुल (नाबाद 62) के शानदार अर्धशतकों की बदौलत भारत ने पहले टेस्ट मैच में दूसरे दिन पकड़ मजबूत कर ली। भारत ने अपनी दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए 172 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को कुल 218 रनों की बढ़त ले ली। भारत ने पहली पारी में 46 रन की बढ़त हासिल की थी। सुबह ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर समेटने के बाद भारतीय ओपनर्स ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। जायसवाल ने 193 गेंदों पर 90 रन में 7 चौके और 2 छक्के लगाए हैं, जबकि राहुल ने 153 गेंदों पर 62 रन में 4 चौके लगाए हैं। दोनों बल्लेबाजों ने काफी सतर्कता के साथ बल्लेबाजी की और 3.01 के रन रेट से रन बनाए। दोनों ने 57 ओवर में 172 रन की अविजित साझेदारी की है। पहली पारी में जायसवाल शून्य और राहुल 26 रन बनाकर आउट हुए थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने साहसिक बल्लेबाजी की। भारत ने अब तक मैच में अपना दबदबा बनाए रखा है। पहले दिन जहां गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, वहीं दूसरे दिन बल्लेबाजों ने अपनी भूमिका निभाई। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार के सात विकेट पर 67 रन से आगे खेलना शुरू किया। ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट जल्दी ही गंवा दिए और उसका स्कोर नौ विकेट पर 79 रन हो गया।

बुमराह ने 11वीं बार लिए पांच विकेट

बुमराह ने 11वीं बार अपने टेस्ट करियर में एक पारी में 5 विकेट हासिल किए। बुमराह ने एलेक्स कैरी को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। कैरी ने 21 रन बनाये। बुमराह का यह पांचवां विकेट था। उन्होंने शुक्रवार को चार विकेट लिए थे। हर्षित राणा ने नाथन लियोन को स्लिप में केएल राहुल के हाथों कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया का नौवां विकेट झटका। लेकिन इसके बाद मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने आखिरी विकेट के लिए 25 रन की साझेदारी कर मेजबान टीम को 100 के पार पहुंचाया। राणा ने स्टार्क को पंत के हाथों लपकवा कर ऑस्ट्रेलिया की पारी 104 रनों पर समेट दी। स्टार्क ने 112 गेंदों पर उपयोगी 26 रन बनाए, जो उनकी टीम की तरफ से सर्वाधिक स्कोर रहा। हेजलवुड सात रन पर नाबाद रहे। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज को 20 रन पर दो विकेट और राणा को 48 रन पर तीन विकेट मिले।

प्रतिबंध के कारण आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पायेंगे पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। पंड्या पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। ऐसे में पहले मैच में मुम्बई इंडियंस को किसी और खिलाड़ी को कप्तान बनाना होगा। पंड्या पर ये प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है क्योंकि वह पिछले आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान थे और तब टीम अपना अंतिम मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलत हुए तय समय पर ओवर पूरे नहीं कर पायीं थीं। इस प्रकार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसआई) के नियमों के अनुसार, पंड्या को एक मैच का प्रतिबंध झेलना होगा, चाहे वह किसी नई टीम से भी जुड़ जायें।

मैच में ओवर समय पर पूरा नहीं करने की वजह से पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगा था, जबकि अन्य इंपैक्ट खिलाड़ी सहित अंतिम - 12 पर 12 लाख या मैच फीस का 50 फीसदी का जुर्माना लगा था। बता दें कि टूर्नामेंट में यह तीसरा मौका था, जबकि पंड्या की कप्तानी वाली टीम समय पर ओवर पूरा नहीं कर सकी थी और उसे धीमी ओवर गति के लिए दंडित किया गया था।

अर्शदीप बन सकते हैं सबसे महंगे गेंदबाज : चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जमकर प्रशंसा की है। चोपड़ा ने कहा है कि अर्शदीप को इस बार आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी में

18 से 20 करोड़ रुपए की मोटी रकम मिल सकती है। ऐसे में वह सबसे महंगे गेंदबाज बन जाएंगे। अर्शदीप ने भारतीय टीम की ओर से अबतक टी20 मुकाबलों में 95 विकेट लिए हैं। उन्होंने साल 2019 के बाद से पंजाब किंग्स की ओर से 65 मैचों में 76 विकेट लिए हैं। इस बार पंजाब किंग्स ने नीलामी से पहले ही उन्हें रिलीज कर दिया था। ऐसे में 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाली नीलामी के दौरान अर्शदीप पर सभी 10 टीमें बोली लगा सकती हैं। चोपड़ा ने कहा कि इससे अर्शदीप को 18 से 20 करोड़ मिल सकते हैं, जिससे वह नीलामी में सबसे महंगे गेंदबाज बन जाएंगे। दबाव में वह शानदार गेंदबाजी करते हैं और यही उनका सकारात्मक पक्ष है। वहीं पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि अर्शदीप को 10-15 करोड़ की रकम मिल सकती है। उन्हें यह भी लगता है कि ट्रेंट बोल्ट और हर्षल पटेल के लिए सभी 10 टीमें बोली लगाएंगी। उन्होंने कहा कि बोल्ट नई गेंद से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, लेकिन हर्षल एक भारतीय हैं और पुरानी गेंद से खेलने का कौशल उन्हें आईपीएल में मूल्यवान खिलाड़ी बनाता है।उथप्पा का मानना है कि पंजाब किंग्स के साथ आईपीएल 2024 सीजन में कमजोर प्रदर्शन के बाद भी तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर सैम कुरेन पर नीलामी में मोटी रकम लगेगी। कुरेन को लेने के लिए केकेआर और आरआर जैसी टीमें भी बोली लगा सकती हैं।

बुमराह ने पंच से तोड़ा कपिल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शनिवार को पर्थ में खेले जा रहे भारत-आष्ट्रेलिया टेस्ट मैच में पांच विकेट लेते हुए एक नया रिकॉर्ड दर्ज कर लिया। बुमराह ने सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सातवीं बार पांच विकेट लेने का कारनामा करते हुए वे महान भारतीय तेज गेंदबाज कपिल देव के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के दौरान सेना परिस्थितियों में भारत के सर्वकालिक महान गेंदबाज के रूप में अपनी विरासत में एक और उपलब्धि जोड़ ली। ऐतिहासिक रूप से सेना देशों में भारत का रिकॉर्ड कमजोर रहा है और 2000 के दशक में टीम ने रिकॉर्ड में सुधार किया है। कपिल देव के बाद जसप्रीत बुमराह भारत के दूसरे तेज गेंदबाज हैं, जिन्होंने सेना देशों में सबसे ज्यादा 7 बार 5 प्लस विकेट लिए हैं। एक तरह इस मामले में जहां बुमराह ने कपिल की बराबरी की है। वहीं दूसरी ओर बुमराह ने सबसे तेजी से इस कमाल को करने में कपिल का रिकॉर्ड भी तोड़ा है। सेना देशों में 7 बार 5 प्लस विकेट लेने के लिए बुमराह ने जहां सिर्फ 51 पारियां खेली, वहीं कपिल देव ने ऐसा 62 पारियों में किया था। अब सेना देशों में 27 टेस्ट में बुमराह ने

22.55 की औसत से 118 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6/33 रहा है। उन्होंने कुल सात बार पांच विकेट लिए हैं। उन्होंने कपिल सात के साथ बराबरी की है और बीएस चंद्रशेखर, जहीर खान (छह बार पांच विकेट) और बिशन सिंह बेदी, अनिल कुंबले (पांच बार पांच विकेट) का नंबर आता है। टेस्ट मैचों में पांच विकेट लेने वाले बुमराह पांचवें भारतीय कप्तान हैं, उनसे पहले वीनू मांकड़ (एक), बिशन (आठ), कपिल (चार) और कुंबले (दो) ने ऐसा किया है। यह उपलब्धि हासिल करने वाले आखिरी भारतीय कप्तान कुंबले थे, जिन्होंने 2007 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में यह कारनामा किया था। बुमराह ने जोहान्सबर्ग, मेलबर्न, नॉटिंघम, नॉर्थ साउंड, किंग्स्टन, केपटाउन, बेंगलुरु, विशाखापत्तनम और पर्थ में पांच विकेट लिए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश की कप्तानी करेंगे एडवर्ड्स, बोलैंड शामिल

पर्थ । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को भारत के खिलाफ 30 नवंबर से कैनबरा में शुरू हो रहे दो दिवसीय अभ्यास मैच के लिये प्रधानमंत्री एकादश में शामिल किया है। इस टीम का कप्तान न्यू साउथवेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को बनाया गया है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री एकादश के इस मैच से दोनो ही टीमों को

एडीलेड में छह दिसंबर से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम करीब तीन साल बाद यहां दिन रात का टेस्ट खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, 'हम टेस्ट टीम की तैयारी के तहत ही बोलैंड की मैच फिटनेस का पता लगाने के लिए उन्हें यह अवसर दे रहे हैं। प्रधानमंत्री एकादश में पिछले साल अंडर 19 विश्व कप जीतने वाली टीम में शामिल हरे सैम कोंसास, माहली बीयर्डमैन, चार्ली एंडरसन और एडान ओकोनोर को भी जगह मिली है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में प्रधानमंत्री एकादश का समृद्ध इतिहास रहा है। इसलिए मुझे इसके लिए टीम की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से है जिसके पास विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी है। इस टीम के लिए खिलाफ खेलने का अनुभव यादगार होगा।

टीम इस प्रकार है –जैक एडवर्ड्स (कप्तान), चार्ली एंडरसन, माहली बीयर्डमैन, स्कॉट बोलैंड, जैक क्लेटन, एडेन ओकोनोर, ओली डेविस, जेडन गुडविन, सैम हार्पर, हान्नो जैकब्स, सैम कोंस्टास, लॉयड पोप, मैथ्यू रेनशॉ, जेम रियान।

सुनील गावस्कर ने फर्जी लेख पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने एक क्रिकेट वेबसाइट पर उनके नाम से लेख लिखे जाने का पुरजोर खंडन किया है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। वेबसाइट क्रिकेट सेप्शन ने शुक्रवार शाम को 'नेतृत्व में एक नया युग- बुमराह की कप्तानी और कोहली के नेतृत्व ने टीम इंडिया को पुनर्जीवित किया' शीर्षक से एक कॉलम प्रकाशित किया, जिसमें झूठा दावा किया गया कि यह पूर्व कप्तान द्वारा लिखा गया

था। गावस्कर ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर इस मुद्दे को संबोधित किया, एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लेख से कोई संबंध नहीं है और इसे तुरंत हटाने की मांग की। क्रिकेट के दिग्गज ने वेबसाइट से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगने को भी कहा, चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वीडियो में गावस्कर ने कहा, 'हाय, मैं सुनील गावस्कर हूं, और मैं कहना चाहता हूं कि क्रिकेट सेप्शन नामक एक वेबसाइट है, जिसने मेरे नाम से एक लेख छापा है। मुझे कहना होगा कि यह पूरी तरह से फर्जी है। मैंने ऐसा कुछ भी नहीं किया है, और मैं उस वेबसाइट से कहना चाहता हूं कि इसे तुरंत हटा दे। माफ़ी मांगो। अगर तुम ऐसा नहीं करते, तो मैं इस मामले को अपनी कानूनी टीम को सौंप दूंगा। इसलिए जो कुछ भी तुमने पढ़ा है, उस पर एक शब्द भी यकीन मत करो। यह मेरे नाम से लिखा गया एक पूरी तरह से फ़र्जी लेख है।'

तिलक वर्मा ने 11 दिनों में तीसरा शतक जड़ रचा इतिहास

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ हैदराबाद की ओर से खेलते हुए इतिहास रच दिया है। मैच में तिलक वर्मा ने विस्फोटक शतक लगाकर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। तिलक पुरुष या महिला क्रिकेट में 11 दिनों के अंतराल में तीन लगातार शतक लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 2007 में शुरू हुए टूर्नामेंट के इतिहास में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी अपने नाम किया है। मैच के दौरान तिलक ने सिर्फ 67 गेंदों में 14 चौकों और 10 छक्कों की मदद से 151 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 225.37 रही। 22 वर्षीय तिलक ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार 2 शतक, सेंचुरियन में 107 रन और जोहान्सबर्ग में नाबाद 120 रन बनाए थे। वह टी20 क्रिकेट में 150 से अधिक स्कोर बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी भी बने। इससे पहले महिला क्रिकेट में किरण नवगिरे ने महाराष्ट्र के लिए खेलते हुए 2022 में सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में नागालैंड के लिए खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 162 रन बनाए थे। तिलक ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तेज गेंदबाज दीपू संगमा की 18 गेंदों में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने इससे पहले 2019 में सिक्किम के खिलाफ मुंबई के लिए खेलते हुए 71 गेंदों में 7 चौकों और 15 छक्कों की मदद से 147 रन बनाए थे। तिलक रविवार से सोमवार तक होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन की मेगा नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस द्वारा रिटेन किए गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं।

आईसीसी ने 26 नवबंर को क्यों बुलाई आपात बैठक... इसके पीछे कारण भारतीय टीम तो नहीं

दुबई ।आईसीसी ने 26 नवबंर को अपने बोर्ड की आपात बैठक बुलाई है, इसमें 2025 चैंपियंस ट्रॉफ़ी पर होगी। सूत्रों ने बताया कि बैठक का एकमात्र एजेंडा यह है कि क्या टूर्नामेंट के लिए हाइब्रिड मॉडल अपनाया जाए, जिसमें पाकिस्तान और किसी अन्य देश में इस टूनामेंट को आयोजित किया जाए। टूर्नामेंट की संभावित शुरुआत से 100 दिन से भी कम समय बचा है। मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टूर्नामेंट को 19 फरवरी से 9 मार्च तक आयोजित करने के लिए निर्धारित किया है। हालांकि आईसीसी ने अभी तक इसका शेड्यूल जारी नहीं किया है। लेकिन बीसीसीआई ने आईसीसी को सूचित किया है कि भारत सरकार ने रोहित शर्मा की टीम को पाकिस्तान यात्रा करने की अनुमति नहीं दी है। वहीं पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा था कि उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में आयोजित होने को लेकर सकारात्मक अपेक्षाएं हैं। नकवी पाकिस्तान सरकार के गृह मंत्रालय के प्रमुख भी हैं, उन्होंने कहा कि वह बीसीसीआई से गतिरोध को तोड़ने के लिए संवाद करने के लिए तैयार हैं। पीसीबी आईसीसी से इस बात का जवाब पाने का इंतज़ार कर रहा है कि भारत को पाकिस्तान यात्रा करने की अनुमति क्यों नहीं दी जा सकती। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब पाकिस्तान को भारत की वजह से टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित करने के प्रश्न से जूझना पड़ा है। पिछले वर्ष एशिया कप के लिए भी भारत ने पाकिस्तान जाने से मना किया था, इसकारण टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर पाकिस्तान और श्रीलंका में आयोजित करना पड़ा था। इसके ठीक बाद पाकिस्तान को वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारत की यात्रा करनी पड़ी थी, पीसीबी ने हाल ही में कहा था कि उसने यह फ़ैसला इसलिए किया था ताकि इसके चलते उसे चैंपियंस ट्रॉफ़ी केवल पाकिस्तान में ही आयोजित किए जाने का ठोस आधार मिलेगा।

एंडरसन पहली बार आईपीएल नीलामी में उतरेंगे

लंदन ।इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जरिये खेल को लेकर अपना ज्ञान बढ़ाना चाहते हैं। इसीलिए उन्होंने पहली बार आईपीएल मेगा नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। एंडरसन ने इस साल की शुरुआत में ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने अपना अंतिम अंतिम टी20 मैच 2014 में खेला था। वह आईपीएल में कभी नहीं खेले हैं। इस प्रकार वह करीब एक दशक के बाद कोई टी20 मैच खेलेंगे। आईपीएल मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होगी। इसके लिए एंडरसन ने अपना आधार मूल्य 1.25 करोड़ रुपए रखा है।

एंडरसन ने इंग्लैंड के लिए 188 मैच में 704 विकेट लिए। इससे वह श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन 800 और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गजर स्पिनर शेन वार्न 708 के बाद तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। एंडरसन ने कहा, 'मेरे अंदर अब भी कुछ ऐसा है जिसे लगता है कि मैं अब भी खेल सकता हूं। मैंने कभी आईपीएल नहीं खेला है। मैंने कभी इसका अनुभव नहीं किया है और कई कारणों से मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ है। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी टी20 लीग में खेलकर वह केवल एक गेंदबाज के तौर पर अपना ज्ञान ही नहीं बढ़ाना चाहते बल्कि बतौर कोच और अनुभव और ज्ञान हासिल करना चाहते हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, ''मैंने गर्मियों में अपना करियर खत्म करने के बाद से ही कुछ समय कोचिंग भी की है। मैं इंग्लैंड की टीम के साथ थोड़ा बहुत 'मेंटोर के तौर पर भी काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह की लीग में खेलने और उसका अनुभव हासिल करने से शायद मुझे खेल के बारे में अपना ज्ञान बढ़ाने में मदद मिले जिससे आगे चलकर मुझे और लाभ मिलेगा।

आईपीएल मेगा ऑक्शन में ऋषभ पंत पर बरसेंगे 25 करोड़? नीलामी में इन खिलाड़ियों पर भी बरस सकता है पैसा

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को होनी है। इस नीलामी में टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। वहीं इस नीलामी में 577 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। आईपीएल की दस टीमों के पास 641.5 करोड़ रुपे का पर्स है और 204 संभावित चयन होने बाकी है। ऐसे में सभी की नजरें पंत के नाम पर लगी होंगी। पंजाब किंग्स के पास सभी टीमों में से सबसे ज्यादा 110.50 करोड़ रुपये है जबकि आरसीबी के पास 83 करोड़ रुपये हैं।

बता दें कि, दिल्ली कैपिटल्स के पास 73 करोड़ रुपये और राइट टू मैच कार्ड है, जिससे वे अपने पूर्व कप्तान को खरीद सकते हैं। वैसे समझा जाता है कि पंत नहीं चाहते कि दिल्ली आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल करे क्योंकि अलग होते संबंधों में दरार आ गई थी और पंत खुद को अब टीम का हिस्सा नहीं मानते। उन्होंने कहा भी था कि मेरा रिटेंशन पैसे को लेकर नहीं था। ये तय है। जिसके बाद सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या पंत 25 करोड़ रुपये पार करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनेंगे।

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स या मुंबई इंडियंस के पास महज 45 करोड़ रुपये है और वे उन्हें इस कीमत पर खरीदने की स्थिति में नहीं होंगे। हर दो साल में टीम बदलने के लिए महशूर पंजाब किंग्स के पास काफी पैसा मौजूद है और मुख्य कोच रिकी पोंटिंग अपने पसंदीदा खिलाड़ी के साथ फिर एकजुट होना चाहेंगे। नीलामी के लिए 81 खिलाड़ियों का बेसप्राइज दो करोड़ रुपये है। मौजूदा क्रिकेटर एक मिलियन डॉलर यानी 8.5 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

वहीं अभी तक 96 टी20 इंटरनेशनल विकेट ले चुके अर्शदीप सिंह पर भी बड़ी बोली लग सकती है। पंजाब के पास आरटीएम कार्ड है लेकिन कहां तक जाती है। तेज गेंदबाजों की भी काफी मांग होंगी जबकि श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को छोड़कप भारत के लगभग सभी स्टार क्रिकेटर लिए जा चुके हैं। अय्यर कप्तानी के लिए दिल्ली की पसंद हो सकते हैं।

आरसीबी, कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के लिए तीन संभावित कप्तान पंत, राहुल या अय्यर हो सकते हैं। भारतीय खिलाड़ियों में ईशान किशन भी प्रमुख होंगे लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस उन्हें पिछली बार की तरफ 15 करोड़ रुपये में खरीदने की स्थिति में नहीं है। मोहम्मद शमी पर भी नजरें रहेंगी जो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं।

स्टार्क ने हर्षित पर कसा तंज, जायसवाल ने सुनाई खरी-खरी

पर्थ। टेस्ट मैच के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में शनिवार को मामूली नोंकझोक हुई। दूसरे दिन का मैच शुरू हाते ही बल्लेबाजी करने आए मिचेल स्टार्क ने गेंदबाजी कर रहे हर्षित राणा पर तंज कसा था। भारतीय टीम को जब बल्लेबाजी मिली तो सलामी बल्लेबाजी जायसवाल ने भी स्टार्क को खरी-खरी सुना दी। 21 वर्षीय जायसवाल से बातें सुनकर स्टार्क ने भले ही शर्मिंदगी महसूस की, लेकिन उन्होंने अपने चेहरे पर मुस्कान लाकर इसे जाहिर नहीं होने दिया। हालांकि शुरूआत स्टार्क ने ही की थी। उन्होंने पहली पारी में 112 गेंद खेलते हुए 26 रन बनाए थे ताकि ऑस्ट्रेलिया की टीम 100 रन पार हो सके। भारतीय गेंदबाजों के बाऊंसर के आगे स्टार्क ने कई रक्षात्मक शॉट खेले। इसी दौरान हर्षित की एक गेंद ने स्टार्क को परेशान किया तो उन्होंने उसे चिढ़ाने के लिए बोल दिया। मैं तुमसे ज्यादा तेज गति से गेंद फेंक लेता हूं, और मैं इसे याद रखूंगा। हर्षित ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वह मुस्कराते हुए अपने रनअप की ओर चले गए। ऑस्ट्रेलिया जब 104 रन पर सिमट गई तो भारत की ओर से जायसवाल के साथ केएल राहुल ओपनिंग के लिए आए। दोनों ने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों का जमकर सामना किया और विकेट नहीं जाने दिया। शुरूआती ओवरों में विकेट न मिलने से ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज निराश दिखे। इस दौरान गेंदबाजी कर रहे स्टार्क बार-बार जायसवाल को घूरने लगे। आखिरकार जायसवाल से रहा नहीं गया, उन्होंने एक गेंद के बाद स्टार्क को बोला- आपकी गेंद की गति ज्यादा नहीं है। निश्चित रूप से स्टार्क द्वारा हर्षित को कसे तंज से जायसवाल निराश दिखे और उन्होंने बेबाकी से स्टार्क को असलियत दिखाने की कोशिश की।

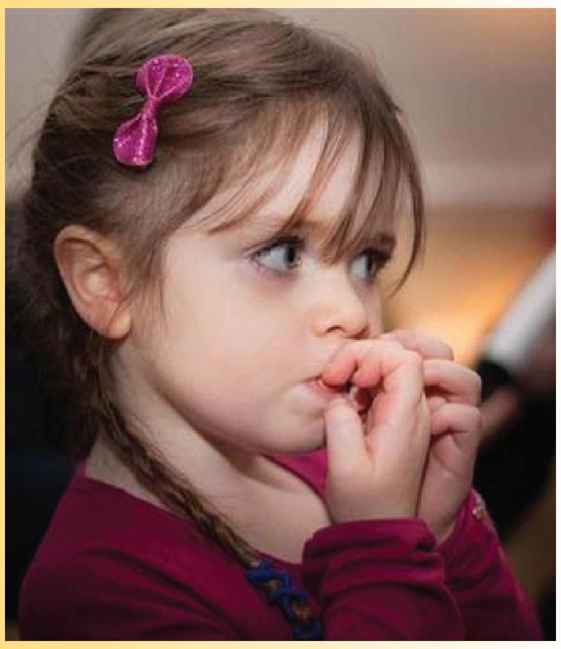

बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में स्टिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को घुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटिज्म से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाये करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती है।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

- गंदगी से भरे नाखून जब मुंह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इंफेक्शन, दांत कमजोर, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन्स , डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।
- पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, , कमजोर मांसपेशियां और पैरों में चुभन महसूस होने लगती है। वहीं, इससे जोड़ कमजोर और ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।
- लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती है और उंगलियां चटकाने से इनके बीच मौजूद द्रव कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

नाखून चबाने की आदत

बच्चों की उंगलियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।

बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्राइंग करवाएं या हाथों की कोई भी एक्टिविटी करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें ।

पैर हिलाने पर तुरंत टोकें

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा स्ट्रेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए फिजिकल एक्टिवीटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरु से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योगा करवाएं।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं।

पौष्टिक गुणों से भरपूर आडू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

सूखे मेवे

बच्चे की ग्रोथ के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। आप इसे रातभर भिगो कर या पाउडर बनाकर बच्चे के दूध में मिलाकर पिला सकते हैं। इसके अलावा इसके लड्डू या बर्फी में मिलाकर भी इसे खिलाया जा सकता है। मगर हैवी होने के चलते इसे बच्चे को हफ्ते में 2 बार ही खिलाएं।

हैल्दी ड्रिंक्स

आप घर ही साबुत अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

आलू

6 महीने बाद बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रोथ अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिचड़ी, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें। ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं।

दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं।

अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।

बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।

बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही ना जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सकें।

कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।

बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।

यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

बच्चों को बताएं गुड और बैड टच में अंतर

जिस प्रकार आजकल मासूम बच्चों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं उससे अभिभावकों का चिंतित होना लाजिमी है। बच्चों को घर के अंदर बंद तो नहीं रखा जा सकता। ऐसे में उन्हें किसी भी अप्रिय घटना से बचने के तरीके समझाना जरुरी है क्योंकि हाल के दिनों में स्कूलों में भी बच्चों के साथ कई हादसे हुए हैं।

बच्चों को सतर्क करना इसलिए जरुरी है क्योंकि बच्चे बहुत ज्यादा भोले और मासूम होते हैं। उनको अच्छे और बुरे की कोई समझ नहीं होती। जो भी उनको प्यार से बुलाता है वह उसको अपना समझने लगते हैं। उस व्यक्ति के साथ प्यार से बात करने लगते हैं। कई बार तो बच्चे अनजान इंसान के साथ भी चले जाते हैं। बच्चे मन के साफ होते हैं वह समझ नहीं पाते कि किसी के दिमाग में क्या है। ऐसे में मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चों को गुड और बैड टच के बारे में जरूर बताएं। ताकि वह किसी यौन शोषण का शिकार ना हो पाएं।

बताएं क्या है बैड टच और गुड टच

बच्चों को नहीं पता कि गुड टच और बैड टच क्या होता है। इसलिए आप उन्हें ना सिर्फ इसके बारे में बताएं बल्कि उन्हें समझाने की कोशिश करें, ताकि वो आसानी से समझ सकें। बच्चों को बतायें कि कोई भी अनजान उनके करीब आने का प्रयास करे तो दूर हो जायें और अगर वह उन्हें जबरदस्ती पकड़े तो शोर मचाकर लोगों को बतायें। किसी अनजान की बातों में न आयें और न ही खाने पीने का सामान लें। कोई लालच दे तो भी इंकार कर दें।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को एनर्जी ड्रिंक

अगर आप का बच्चा भी जल्दी भूल जाता है और इससे उसे पढाई में भी परेशानी आती है तो इसमें पोषण की कमी हो सकती है। कई बार संतुलित आहार या किसी तत्व की कमी से भी ऐसा होता है। इसका कारण यह भी है कि बच्चे खाने- पीने में बहुत ही आनाकानी करते हैं। ऐसे में उन्हें सही पोषण न मिलने के कारण दिमाग का विकास ठीक से नहीं हो पाता। ऐसे में बच्चों को ड्राइ फ्रूट्स से एक एनर्जी ड्रिंक बनाकर दें। प्रतिदिन इस एनर्जी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की यददाश्त बेहतर होने के साथ ही उसका दिमाग भी तेज होगा। एनर्जी ड्रिंक के लिए खरबूजे के बीज, हरी इलायची, बादाम, खसखस, सौंफ और काली मिर्च को मिलाकर बनाया जा सकता है।

ड्राइ फ्रूट्स से तैयार इस ड्रिंक को पीने से बच्चे को सभी उचित तत्व आसानी से मिल जाएंगे। इससे उसके शरीर व दिमाग का बेहतर तरीके से विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा। आप इसे बच्चों को सुबह और शाम को भूख लगने पर पिला सकती है। इससे मिलेंगे ये फायदे

तेज दिमाग

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट का सेवन करने से दिमाग का विकास अच्छे से होगा। ऐसे में स्मरण शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी।

खून की कमी होगी दूर

सूखे मेवों से तैयार इस ड्रिंक को पीने से शरीर को भरपूर मात्रा में आयरन मिलेगा। ऐसे में खून की कमी पूरी होगी। साथ ही थकान व कमजोरी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन-ए का उचित स्त्रोत होने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा भी कम रहेगा।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ेगी

इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी। ऐसे में बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। साथ ही बच्चे में सुस्ती व कमजोरी दूर हो ताकत आएगी। इसतरह आपका बच्चा दिनभर एनर्जेटिक महसूस करेगा।

सही वजन दिलाए

रोजाना इस ड्रिंक के 1-2 गिलास बच्चे को जरूर पिलाएं। इससे बच्चों का दुबलापन दूर हो उन्हें सही वजन मिलने में मदद मिलेगी।

मजबूत हड्डियां

इसके सेवन से विटामिन, कैल्शियम की कमी पूरी होगी। ऐसे में बच्चे के मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। साथ ही बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

कब्ज से राहत

इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने से कब्ज की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। पेट अच्छे से साफ हो बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

बेहतर पाचन तंत्र

सूखे मेवे विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इस ड्रिंक का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने में मदद मिलती है। इससे अपच, पेट दर्द, एसिडिटी की परेशानी से राहत मिलती है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मणिपुर में कड़ी सुरक्षा के बीच नौ शवों का किया गया अंतिम संस्कार

– नदियों से बरामद किये गए थे शव

इम्फाल । मणिपुर के जिरीबाम जिले में कड़ी सुरक्षा के बीच मेइती समुदाय की तीन महिलाओं और तीन बच्चों सहित नौ लोगों के शवों का अंतिम संस्कार किया गया। अ?धिका?रियों ने बताया ?कि असम के कछार जिले में स्थित सिलचर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसएमसीएच) में शवों का पोस्टमार्टम किये जाने के बाद उन्हें जिरीबाम लाया गया था। राज्य सरकार ने मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दी है। राज्य में 11 नवंबर को सुरक्षा बलों और हथियारबंद कुकी–जो समुदाय के लोगों के बीच गोलीबारी के बाद तीन महिलाओं और तीन बच्चों सहित कुछ लोग लापता हो गए थे। बाद में लापता महिलाओं और बच्चों के शव जिरीबाम तथा असम के कछार जिले में जिरी एवं बराक नदियों से बरामद किये गए थे।

कोटा में फिर एक छात्र ने की सुसाइड, हॉस्टल की छठवीं मंजिल से कूदा

कोटा । कोचिंग हब कोटा से एक और छात्र ने सुसाइड कर ली है। सोलह साल के विवेक कुमार ने हॉस्टल की छठवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। कोटा में इस साल में सोसाइड का यह 18वां मामला है। 16 वर्षीय विवेक कुमार ने अपने हॉस्टल की छठवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना शनिवार को हुई, जब छात्र अपने कमरे में अकेला था। विवेक इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (जेईई) की तैयारी कर रहा था। शुरुआती जांच के मुताबिक, वह पढ़ाई के दबाव और मानसिक तनाव से परेशाना था। इस साल कोटा में आत्महत्या का यह 18वां मामला है, जो छात्रों पर बढ़ते दबाव और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताओं को उजागर करता है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज कर लिया है। विवेक के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन दोस्तों और परिवार से बातचीत के आधार पर कारणों का पता लगाया जा रहा है। कोटा जिले के प्रशासन ने हर बार की तरह इस बार भी घटना पर दुख जताकर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए कदम उठाने का भरोसा दिलाया है। हालांकि, इस समस्या का स्थायी समाधान अब भी चुनौती बना हुआ है।

राहुल गांधी के मानहानि के केस में नहीं हो सकी जिरह, सुनवाई चार को

सुलतानपुर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में शनिवार को वकीलों के प्रस्ताव के कारण सुनवाई टल गई। बीती तारीख पर परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र का साक्ष्य विशेष कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में दर्ज किया गया था। भाजपा नेता परिवादी विजय मिश्र के वकील संतोष पांडेय ने बताया कोर्ट ने बचाव पक्ष के जिरह के लिए चार दिसंबर की तारीख नियत की है। बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर कथित रुप से आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। परिवादी से जिरह की कार्रवाई में मामले की सुनवाई नियत की गई है।

भिवंडी के कबाड़ गोदाम के परिसर में लगी आग; कोई घायल नहीं

ठाणे । महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी कस्बे में एक कबाड़ गोदाम परिसर में आग लग गई। नगर निकाय के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। अधिकारी ने बताया कि फातिमा नगर इलाके में कबाड़ के गोदाम के परिसर में शाम करीब 4.45 आग लगी थी। आग लगने की सूचना मिलने के बाद भिवंडी–निजामपुर सिटी नगर निगम (बीएनएमसी) की तीन और कल्याण–डोंबिवली नगर निकाय की एक दमकल गाड़ी को मौके पर भेजा गया। तड़वी ने बताया कि आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि आग तेजी से फैल गई और इसने आसपास के कबाड़ के कई गोदामों को अपनी चपेट में ले लिया।

3 साल की बच्ची से 70 साल के एक बुजुर्ग ने किया बलात्कार, गिरफ्तार

मंगलुरु। मंगलुरु में उल्लाल थानाक्षेत्र के पुनी गांव में तीन साल की एक बच्ची का 70 साल के एक बुजुर्ग द्वारा कथित रूप से यौन उत्पीड़न करने का मामले आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मंगलुरु के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि स्थानीय दुकानदार 70 वर्षीय अब्दुल्ला को मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी मुडांगरकट्टे में रहता है और वह मूल रूप से पुत्तूर का निवासी है। उन्होंने बताया कि बच्ची एक दुकान के पास खेल रही थी तभी अब्दुल्ला ने बच्ची के साथ बलात्कार किया, इससे बच्ची को रक्तस्राव होने लगा और वह जोर–जोर से रोने लगी। बच्ची की चीख सुनकर वहां पहुंची उसकी मां ने तत्काल बच्ची का इलाज करवाया और थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पॉक्सो और भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

दिल्ली में बढ़ते अपराधों से खफा हुए शाह, पुलिस आयुक्त से कहा- कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी आपकी...

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ रहे अपराधों को लेकर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा तलब करते हुए साफ कह दिया कि कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी आपकी है। इसमें किसी तरह की कोई हीलाहवाली नहीं चल सकती। दिल्ली में आए दिन हो रहीं हत्या, लूट, बलात्कार और झपटमारी जैसे अपराधों की बड़ी-बड़ी वारदातों के बीच शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस के साथ गृह मंत्रालय में बैठक कर यहां देश की राजधानी दिल्ली में कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। सिक्योरिटी रिव्यू में गृह मंत्री ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा को साफतौर पर निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आपकी और पूरी दिल्ली पुलिस की है कि दिल्ली पुलिस को देखकर दिल्ली के लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस करें। पुलिस को देखकर दिल्ली वालों में सुरक्षा का भाव आना चाहिए और अपराधियों में भय और डर का। ऐसा नहीं कि दिल्ली पुलिस को देखकर लोग डरें और गैंगस्टर और बदमाश वारदात करते रहें।

मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि सिक्योरिटी रिव्यू में गृह मंत्री शाह ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को कहा कि निर्देश दिया कि यह साफ है कि अपराध के खिलाफ केंद्र सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति है। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसलिए दिल्ली की कानून-व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिसमें यहां रहने वाले लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस करें, उनमें अपराध और अपराधियों के डर का कोई माहौल ना हो। हर एक दिल्ली वाला खुद को पूर्ण रूप से सुरक्षित महसूस करे। यह जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस कमिश्नर के साथ ही पूरी दिल्ली पुलिस की है। इसके लिए दिल्ली पुलिस के हर कर्मचारी की यह व्यक्तिगत जवाबदेही है। उन्होंने लोगों की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए कुछ अहम क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसके लिए विशेष कार्य योजना तैयार कर विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए, जिसका असर भी लोगों में सकारात्मक रूप से दिखाई दे। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस की प्रायरिटी दिल्ली में अपराध और अपराधियों को कंट्रोल करना तो है ही साथ ही बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा को भी दिल्ली पुलिस प्राथमिकता दे।

महाराष्ट्र की जनता ने परिवार की विरासत को किया खारिज : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की शानदार जीत पर खुशी जाहिर करते हुए बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि अभी तक महाराष्ट्र के जो नतीजे दिख रहे हैं, वह शानदार तरीके से भारतीय जनता पार्टी और महायुति के पक्ष में हैं। भाजपा यहां पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि मैं इस प्रचंड बहुमत का श्रेय सरकार द्वारा किए गए विकास कार्य, भाजपा और सहयोगी संगठन के कार्यकर्ताओं की जीतोड़ मेहनत, हमारे प्रदेश नेतृत्व के शानदार कार्य और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्वसनीयता को देता हूं। मैं एक और बात कहना चाहूंगा कि हम शब्द प्रयोग करते हैं, विचार और परिवार। यह जो चुनाव था, इसमें इस बात का भी निर्णय होना था कि विचार की विरासत को जनादेश मिलेगा या परिवार की विरासत को। महाराष्ट्र की जनता ने साफ कर दिया कि उन्होंने विचार की विरासत को आशीर्वाद दिया है, जो विचार को छोड़कर परिवार की विरासत का दावा करते थे, उनको खारिज किया है। दूसरी तरफ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, एक हैं तो सेफ हैं। मोदी है तो मुमकिन है। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर एक चरण में 20 नवंबर को वोट डाले गए थे। यहां पर महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी ने 149 सीटों पर चुनाव लड़ा है, वहीं शिवसेना (शिंदे) ने 81 सीटों और अजित पवार की एनसीपी ने 59 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे।

महाराष्ट्र चुनाव: यह जनता का फैसला नहीं बल्कि कुछ तो गड़बड़ है

*** उद्धव गुट के संजय राउत ने चुनावी नतीजों को लेकर दी प्रतिक्रिया**

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव के रुझानों में महायुति अभी तक के रुझानों में बढ़त बनाए हुए है। वहीं महाअघाड़ी के उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना की प्रतिक्रिया सामने आई है। रुझानों में अभी तक 221 सीटों पर महायुति आगे है जबकि अघाडी केवल 55 सीटों पर आगे चल रही है। इन रुझानों पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि यह जनता का फैसला नहीं है बल्कि कुछ तो गड़बड़ है।

उन्होंने कहा कि महायुति ने पूरी मशीनरी को कब्जे में ले लिया है। इस राज्य की जनता बेईमान नहीं है। शिंदे के सारे उम्मीदवार कैसे जीत सकते हैं? राउत ने आगे कहा कि दो दिन पहले गौतम अडाणी के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में एक गिरफ्तारी वारंट निकला है। रिश्वत का केस है दो हजार करोड़ का, उसमें बीजेपी की पोल खुल गई है। उस पर से ध्यान हटाने के लिए ये पूरी कारिस्तानी हुई है, उसकी तैयारी पहले से चल रही थी। महाराष्ट्र गौतम अडाणी की जेब में जा रहा है, हमने विरोध किया कि अडाणी राष्ट्र नहीं होने देंगे। इस प्रकार के नतीजे के राज्य पर लादे गए हैं।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की जनता का मन हमें मालूम है ये हो ही नहीं सकता है। लाडकी बहिन योजना को लेकर किए गए सवाल पर राउत ने कहा कि यहां लाडले भाई हैं, लाडले नाना जी हैं, लाडले दादा जी हैं। सब कुछ लाडले हैं यहां। हमको मालूम है कि यहां क्या है, ये जो नतीजे आए हैं वह जनता के नहीं है। उन्होंने कहा कि शिंदे के सारे उम्मीदवार कैसे जीत रहे हैं। राउत ने कहा कि लोकसभा के दो चुनाव 2014 और 2019 में मोदी और शाह ने यही किया था कि विपक्ष का नेता कांग्रेस को नहीं मिलना चाहिए, इस बार वही रणनीति इन्होंने महाराष्ट्र में अपनाई है कि विधानसभा में कोई विपक्ष का नेता नहीं रहेगा, ये हमेशा बीजेपी की रणनीति रही है।

नड्डा ने खरगे को लिखा पत्र, कहा- कांग्रेस मणिपुर पर विभाजनकारी ताकतों को कर रही मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे को पत्र लिख मणिपुर के मामले पर कांग्रेस द्वारा राजनीति करने का आरोप लगाया है। नड्डा ने पत्र में लिखा है कि कांग्रेस नेताओं का मणिपुर पर स्टैंड विदेशी और विभाजनकारी शक्तियों के गठजोड़ को मजबूती देता है। देश को कमजोर करने वाली शक्तियों के प्रयास को हम सफल नहीं होने देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने मणिपुर को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा था, माना जा रहा है कि नड्डा का पत्र इसी की प्रतिक्रिया है।

नड्डा ने अपने पत्र में आरोप लगाया है, 'कांग्रेस के नेताओं द्वारा लगातार मणिपुर के मुद्दे को सेंसेशनलाइज़ करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस शासनकाल में विदेशी आतंकियों को भारत आने की खुली छूट थी। पी चिदंबरम के गृहमंत्री काल में आतंकियों के साथ समझौता हुआ था, जिससे वो और घोषित आतंकवादी गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना देश छोड़ सकते थे। आज उस व्यवस्था को खत्म किया जा चुका है। पिछले 10 सालों से मणिपुर में शांति और विकास चल रहा था, लेकिन वो ताकतें दोबारा वही माहौल बनाना चाहती हैं, और मणिपुर को दशकों पुरानी अव्यवस्था के उस काल में ले जाना चाहती हैं।'

पत्र में नड्डा ने लिखा, इस साल की शुरुआत में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर में हिंसा के मुद्दे को संबोधित कर रहे थे, तब आप और आपकी पार्टी ने जिस अपमानजक और गैर-जिम्मेदाराना तरीके वॉकआउट किया था, उसे प्रत्यक्ष रूप से देखने के बाद इस मुद्दे पर राष्ट्रपति को संबोधित आपका पत्र देखना मेरे लिए हैरान करने वाला है। कांग्रेस के नेताओं की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर अनगिनत अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं। ऐसा लगता है कि आप आपकी पार्टी और कांग्रेस सरकार दोनों ने 90 के दशक में और यूपीए सरकार के समय किए गए गलत फैसलों को भूल रही है। मैं आपकी पार्टी को याद दिलाना चाहता हूं कि कांग्रेस की इस बड़ी नाकामी के परिणाम आज मणिपुर में महसूस किए जा रहे हैं।

नड्डा ने कहा, पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र ने हर क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखा है, चाहे वह अर्थव्यवस्था हो, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा या विकास के अवसरों तक पहुंच हो। हमारे पूर्वोत्तर में गोलीबारी और विस्फोट रोजमर्रा की बात बन गए थे, वहां देश की आजादी के बाद वहां पहली बार शांति, समृद्धि और प्रगति देखी जा रही है।

यह बदलाव उन लोगों से पूरी तरह से समर्थन हासिल कर रहा है, जिन्होने बार-बार कांग्रेस और उनके सहयोगियों के झूठे वालों की जगह डबल-इंजन एनडीए सरकारों की स्थिरता पर भरोसा जताया है। दस वर्षों में ऐतिहासिक शांति समझौतों से लेकर अभूतपूर्व कनेक्टिविटी तक, हमारी सरकारें वास्तव में पूर्वोत्तर के लोगो को एक-दूसरे के करीब ला रही हैं। यह ध्यान देने योग्य बात है कि मणिपुर में 2013 में 20 फीसदी से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से पीड़ित थे, जो 2022 में घटकर पांच फीसदी तक रह गई है।

अदाणी से जुड़े भ्रष्टाचार की कीमत आम भारतीय चुका रहा है : राहुल

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अदाणी समूह से जुड़े 'भ्रष्टाचार' की कीमत आम भारतीय को चुकानी पड़ रही है। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा, यह भ्रष्टाचार का बेहद ख़तरनाक खेल है। अदाणी मोदी जी को फंड देते हैं और बदले में मोदी जी उन्हें देश की राष्ट्रीय संपत्ति सौंपते हैं। वे दोनों सबसे पहले एक–दूसरे की रक्षा करते हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि इसमें कीमत लोगों को चुकानी पड़ रही है। राहुल ने कहा, ''जब अदाणी रिश्वत देकर महंगी बिजली बेचने का सौदा करते हैं, तब बढ़े हुए बिजली के दाम किसे चुकने पड़ते हैं? आपको, जनता को। जब घोटाले सामने आने पर अदाणी के फर्जी तरीके से बढ़ाए हुए शेयर गिरते हैं, तब नुकसान किसका होता है? आपका, खुदरा निवेशकों का। राहुल गांधी ने दावा किया, जब बंदरगाह, हवाई अड्डे, सीमेंट, रक्षा क्षेत्र अदाणी के हवाले किए जाते हैं, तब उन्हें मिलने वाला मुनाफा किसकी जेब से जाता है? आपकी जेब से। उन्होंने कहा, ''इसीलिए मैं बार–बार बोल रहा हूं कि इस खेल को समझिए, इसमें हार हमेशा जनता की होगी।

चीन के तल्ख तेवरों के बीच जापान, फिलीपींस के रक्षा मंत्री से मिले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण चीन सागर में चीन के लगातार आक्रामक होते तेवरों के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लाओस की राजधानी वियनतियाने में जापान और फिलीपींस के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इनमें जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के साथ हुई बैठक में दोनों ने बीते सप्ताह जापान में हुए यूनिकॉर्न मास्ट के कार्यान्वयन के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के क्षणों को याद करते हुए रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में सह-उत्पादन और सह-विकास में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई और रक्षा उद्योग और प्रौद्योगिकी सहयोग के महत्व को दोहराया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि बैठक में भारत और जापान की सेनाओं के बीच अंतर-संचालन को और बेहतर बनाने के लिए दोनों देशों के बीच आपूर्ति और सेवा समझौते के पारस्परिक प्रावधान और विभिन्न द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अभ्यासों में सेनाओं की भागीदारी पर दोनों वरिष्ठ मंत्रियों ने चर्चा की। साथ ही हवाई क्षेत्र में सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने पर भी दोनों सहमत हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिलीपींस के अपने समकक्ष रक्षा मंत्री गिल्बर्टो टेओडोरो से मुलाकात में रक्षा उद्योग, आतंकवाद विरोध, विषय वस्तु विशेषज्ञों, अंतरिक्ष और समुद्री क्षेत्र में आदान-प्रदान पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति प्रदान की। मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री लाओस में 11वें आसियान-प्लस समूह के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए वियनतियाने की तीन दिवसीय यात्रा पर थे। जहां उन्होंने कुल दस देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। नई दिल्ली रवाना होने से पहले राजनाथ सिंह ने वियनतियाने में बौद्ध मंदिर वाट सिसाकट के दर्शन किए और मंदिर के मठाधीश महावेथ चित्ताकारो से आशीर्वाद लिया।

गौरतलब है कि जापान और फिलीपींस का चीन के साथ दक्षिण और पूर्वी चीन सागर में गंभीर समुद्री सीमा विवाद चल रहा है। इलाके में चीन ने स्वेच्छा और ताकत के बल पर नौ बिंदुओं वाली एक रेखा खींचकर अपने कब्जे की अनौपचारिक घोषणा कर दी है। जिसे फिलीपींस, जापान समेत अन्य भागीदार देशों ने स्वीकार नहीं किया है। उधर, भारत भी समुद्री क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के नियम, कानूनों के हिसाब से आवागमन की वैश्विक व्यवस्था बनाने के पक्ष में है। लाओस में चीन के रक्षा मंत्री के साथ हुई भारत के रक्षा मंत्री की हालिया बैठक में राजनाथ सिंह यह स्पष्ट कर चुके हैं कि हम अंतरराष्ट्रीय नियम कायदों के तहत एक खुले हुए, स्वतंत्र, समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के गठन को लेकर प्रतिबद्ध हैं। विवादों का समाधान बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से निकाला जाना चाहिए।

मतदान में महिलाओं पर पिस्टल तानने वाले एसएसपी का होगा सम्मान?

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। यूपी में मुजफ्फरनगर के मीरापुर उपचुनाव में भारी बवाल देखने को मिला था। यहां 20 नवंबर को मतदान के दौरान झड़प, पत्थरबाजी के बाद पुलिस ने लोगों पर लाठियां भांजी थी। इस बीच थाना काकरोली क्षेत्र के बूथ पर एक दारोगा पिस्टल लिए लोगों को वहां से भगाते नजर आए। वहीं सामने खड़ी महिलाएं वोट डालने उनसे बहस कर रही थीं। इसका वीडियो सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शेयर किया और उक्त दारोगा पर कार्रवाई की मांग की थी। फिर इस घटना के बाद खुद एसएसपी ने सामने आकर सफाई दी थी। अब महिलाओं पर पिस्टल तानने वाले थाना प्रभारी राजीव शर्मा को ब्रह्म समर्पित ब्राह्मण महासभा द्वारा सम्मानित करने की घोषणा की गई है। ब्राह्मण महासभा का कहना है कि उग्र भीड़ को राजीव शर्मा ने रोकने का प्रयास किया है वरना बहुत बड़ी घटना घट सकती थी। महासभा जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर एसएसपी और थाना अध्यक्ष राजीव शर्मा को सम्मानित करेगी।

बता दें कि पिस्टल तानने की घटना पर एसएसपी ने कहा था कि यह वीडियो साजिश के तहत वायरल किया गया है और वीडियो अधूरा है। एसएसपी के मुताबिक सच्चाई यह है कि झड़प की सूचना पर पुलिस वहां पहुंची थी जहां रोड जाम करने का प्रयास किया गया और पुलिस पार्टी पर पथराव किया गया। जब पुलिस फोर्स ने बल प्रयोग किया तो उपद्रवी भाग गए और महिलाओं को आगे कर दिया। इधर, बवाल पर मुजफ्फरनगर प्रशासन ने सफाई देते हुए कहा था थाना क्षेत्र ककरौली के पास दो पक्षों के बीच झगड़ा हो गया है जिस पर पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा और हंगामा कर रहे लोगों को समझा-बुझाकर हटाने का प्रयास किया लेकिन उन लोगों द्वारा पुलिस टीम पर ही पथराव शुरू कर दिया। ऐसे में पुलिस द्वारा सूक्ष्म बल प्रयोग कर हुड़दंग कर रहे लोगों को वहां से हटा दिया गया। बता दें कि आज ही मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे आने शुरु हो गए हैं।

गजब की बात...अब इंसान नहीं होगा बीमार, वैज्ञानिक तैयार कर रहे कोशिशओं की एटलस

नई दिल्ली (एजेंसी)। हमारे शरीर को करीब 36 से 37 लाख करोड़ कोशिकाओं यानी सेंल्स ने मिलकर बनाया है। हर कोशिका का अलग काम, अलग व्यवहार और अलग जीवन होता है। ये मरती-जीती रहती हैं। अब वैज्ञानिक इन सभी कोशिकाओं का नक्शा बनाने में जुटे हैं। लेकिन इसमें हर एक सिंगल कोशिका की डिटेल होगी। उस कोशिश के बारे में सारी जानकारी होगी। ताकि अलग-अलग कोशिकाओं से जुड़ी समस्याओं, बीमारियों को रोक सके। विकास, प्रतिरोधक क्षमता जैसी चीजों को बेहतर बना सके। अगर ऐसा हुआ तब भविष्य में इंसानों करीब-करीब अमर किया जा सकेगा। या फिर मनुष्य को जिंदगी भर किसी तरह की बीमारियां नहीं होंगी। वैज्ञानिकों ने अब तक 10 करोड़ कोशिकाओं का हिसाब-किताब लिख लिया है।

इन कोशिकाओं की डिटेल्स दुनियाभर के 10 हजार लोगों के शरीर से लिए गए हैं। ये 100 अलग-अलग देशों के लोग हैं। ताकि अलग-अलग देशों में रह रहे लोगों के शरीर में मौजूद समानताओं और भिन्नताओं को पहचाना जा सके। उनकी भौगोलिक स्थिति और जेनेटिक बैकग्राउंड के आधार पर उनकी हर कोशिका के काम को जाना जा सके।

2026 में वैज्ञानिक ह्यूमन सेल एटलस को पूरा करने वाले है। जिसमें हर एक कोशिका की लोकेशन, पहचान और काम सब पता होगा। वह उम्र के अलग-अलग पड़ाव के बारे में पूरी जानकारी होगी। ताकि यह भी पता चलें कि कोशिका किस उम्र में किस तरह से काम करती है। यह नक्शा शुरूआती होगा। इसके बाद और रिसर्च किए जाएंगे। ताकि इंसान को बेहतर लंबा जीवन दिया जा सके। वैज्ञानिकों ने 40 रिसर्च पेपर्स और तैयार किए हैं। ताकि एटलस का पहली कॉपी तैयार हो सके। यह रिपोर्ट एक नेचर जर्नल में प्रकाशित हुई है। जिसमें कई अंगों और उनके सिस्टम को दिखाया गया है। जैसे फेफड़े, दिमाग और त्वचा।

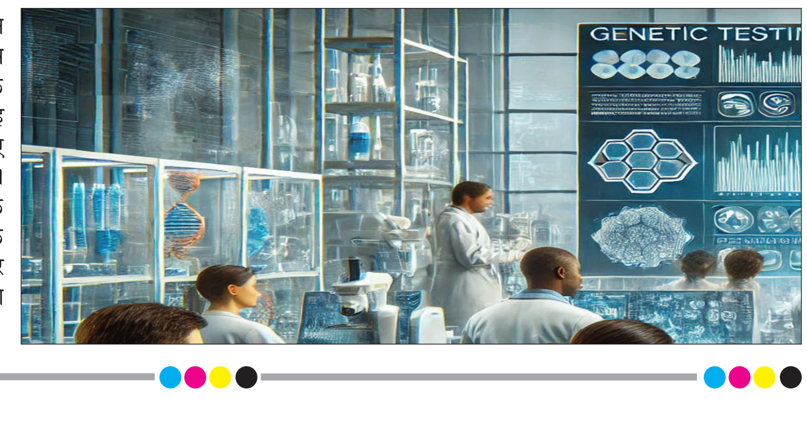

संक्षिप्त समाचार

जापान में बढ़ती महंगाई से निपटने के लिए सरकार ने दिए 39 ट्रिलियन येन

टोक्यो, एजेंसी। जापान में बढ़ती महंगाई से निपटने के लिए प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने 39 ट्रिलियन येन (लगभग 252 बिलियन डॉलर) के आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, सूत्रों ने क्योडो न्यूज को बताया कि इस पैकेज के तहत बिजली, गैस और पेट्रोल की ऊंची कीमतों को कम करने के लिए सब्सिडी और कम आय वाले परिवारों को नकद सहायता प्रदान करना शामिल होगा। मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को प्रोत्साहन उपायों को औपचारिक रूप देने की योजना बनाई है। इसमें दिए गए पैकेज को वित्तपोषित करने के लिए सामान्य रूप से खर्च होने वाले लगभग 13.9 ट्रिलियन येन को वित्त वर्ष 2024 के आगामी अनुपूरक बजट में शामिल करने का सरकार का इरादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पैकेज में कर-मुक्त आय सीमा को बढ़ाने की योजना भी शामिल होगी, जिसे विपक्षी पार्टी की मांग के आधार पर बढ़ाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस पैकेज के लिए राशि पारित करने के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन को विपक्षी दल के सहयोग की आवश्यकता होगी। लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके सहयोगी कोमिटो के सत्तारूढ़ गठबंधन ने बजट विधेयक पारित कराने के लिए उनका समर्थन प्राप्त करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी फॉर द पीपल के वर्तमान 10.3 लाख येन से गैर-करयोग्य आय स्तर को बढ़ाने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। इस गठबंधन ने पिछले महीने के आम चुनाव में अपना बहुमत खो दिया था। विपक्षी पार्टी उपभोग को बढ़ावा देने के लिए इस धन की सीमा को बढ़ाकर 17.8 लाख येन करना चाहती है। लेकिन सरकार का अनुमान है कि इस प्रस्ताव से वार्षिक कर राजस्व में अनुमानित सात-आठ ट्रिलियन येन की कमी आ सकती है।

कौन हैं मैथ्यू व्हिटेकर? जिन्हें ट्रंप बनाएंगे नाटो राजदूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह पूर्व कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल मैथ्यू व्हिटेकर को उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में वाशिंगटन का राजदूत नियुक्त करेंगे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि आयोवा राज्य के व्हिटेकर हमारे नाटो सहयोगियों के साथ संबंधों को गहरा करेंगे और शांति एवं स्थिरता के लिए खतरों का सामना करने में मजबूत रहेंगे और वह अमेरिका को सर्वप्रथम रखेंगे। व्हिटेकर ने नवंबर 2018 और फरवरी 2019 के बीच पहले ट्रंप प्रशासन के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल के रूप में कार्य किया था। इसके अलावा व्हिटेकर आयोवा के दक्षिणी जिले के पूर्व अमेरिकी अटॉर्नी भी हैं और आयोवा विश्वविद्यालय से स्नातक हैं। व्हिटेकर का नामांकन ऐसे समय में हुआ है जब यूक्रेन में युद्ध को लेकर नया घटनाक्रम सामने आया है। दरअसल, हाल ही में निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा यूक्रेन को लंबी दूरी की अमेरिकी बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल रूसी क्षेत्र के अंदर करने की अनुमति दी है। इन मिसाइलों को आर्मी टेक्निकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) के रूप में जाना जाता है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, अनुमति मिलने के बाद, यूक्रेनी बलों ने मंगलवार को रूस के ब्रायंस्क ओब्लास्ट की ओर कई एटीएसीएमएस मिसाइलें दागीं हैं।

नेपाल ने भारत के आर्मी चीफ को जनरल की उपाधि से नवाजा, राष्ट्रपति भवन में हुआ भव्य सम्मान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने 1950 से जारी दशकों पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए यहां राष्ट्रपति भवन (शीतल भवन) में बृहस्पतिवार को आयोजित विशेष समारोह में भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को नेपाल सेना के जनरल की मानद उपाधि से सम्मानित किया। पांच-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जनरल द्विवेदी अपने नेपाली समकक्ष जनरल अशोक सिगडेल के आमंत्रण पर पांच-दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए बुधवार को यहां पहुंचे। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने जनरल द्विवेदी को एक तलवार, प्रतीक चिह्न और सम्मान आदेश का प्रमाण पत्र प्रदान किया। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति विशेष समारोह में उपस्थित थे। नेपाल सेना के सूत्रों ने बताया कि 1950 से भारत और नेपाल की सेनाओं के बीच जारी संबंधों के तहत एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को जनरल की मानद उपाधि देने की परंपरा रही है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दिन में जनरल द्विवेदी ने यहां नेपाली सेना के मुख्यालय में जनरल सिगडेल से मुलाकात की और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग से संबंधित मामलों पर चर्चा की।

नेतन्याहू के खिलाफ आईसीसी के वारंट पर बोले इजरायली पीएम- हम इसे अस्वीकार करते हैं

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली प्रधानमंत्री और हमास के एक शीर्ष अधिकारी के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के फैसले ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपी नेताओं के एक छोटे समूह में डाल दिया है. न्यायालय ने गुरुवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, उनके पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और हमास के एक नेता मोहम्मद डेफ के लिए वारंट जारी किया, जिनके बारे में इजराइल का दावा है कि उनकी हत्या हो चुकी है. न्यायालय के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने कहा कि वारंट उचित आधार पर आधारित थे कि नेतन्याहू और गैलेंट गाजा पट्टी में युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं, जहां इजरायल और हमास के बीच 13 महीने के युद्ध में कथित तौर पर 44,000 से अधिक लोग मारे गए हैं और 104,000 से अधिक घायल हुए हैं. नेतन्याहू ने वारंट की निंदा करते हुए कहा कि इजरायल बेतुके और झूठे कार्यों को घृणा के साथ अस्वीकार करता है.

डेफ के खिलाफ वारंट में कहा गया है कि यह मानने का कारण है कि वह हत्या, बलात्कार, यातना और बंधकों को लेने में शामिल था, जो युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध के बराबर है, जो कि आतंकवादी समूह द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल पर किए गए हमलों के लिए है. उन हमलों में लगभग 1,200 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर नागरिक थे, और अन्य 250 का अपहरण कर लिया गया. हमास ने कहा कि वह नेतन्याहू और गैलेंट के खिलाफ वारंट का स्वागत करता है. हमास के बयान में डेफ के लिए वारंट का उल्लेख नहीं किया गया. इजरायल का दावा है कि उसने हवाई हमले में उसे मार डाला, लेकिन हमास ने कभी भी उसकी मौत की पुष्टि नहीं की.

आईसीसी क्या है : आईसीसी अंतिम उपाय का स्थायी न्यायालय है, जिसकी स्थापना 2002 में युद्ध अपराधों, मानवता के विरुद्ध अपराधों, नरसंहार और आक्रामकता के लिए व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने के लिए की गई थी. न्यायालय के 124 सदस्य देशों ने उस संधि पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत न्यायालय का गठन किया गया था. दर्जनों देशों ने हस्ताक्षर नहीं किए और न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार नहीं करते. इनमें इजराइल, अमेरिका, रूस और चीन शामिल हैं. आईसीसी किसी मामले में तब हस्तक्षेप करता है जब राष्ट्र अपने क्षेत्र में अपराधों पर मुकदमा चलाने में असमर्थ या अनिच्छुक होते हैं. इजराइल का तर्क है कि उसके पास एक कार्यशील न्यायालय प्रणाली है, और किसी राष्ट्र की मुकदमा चलाने की क्षमता या इच्छा पर विवादों ने न्यायालय और अलग-अलग देशों के बीच पिछले विवादों को हवा दी है. जबकि वारंट नेतन्याहू और गैलेंट के लिए विदेश यात्रा को जटिल बना सकते हैं, लेकिन उन्हें जल्द ही हेग में न्यायाधीशों का सामना करने की संभावना नहीं है. सदस्य देशों को वारंट का सामना करने वाले संदिग्धों को हिरासत में लेना आवश्यक है, यदि वे उनकी धरती पर कदम रखते हैं, लेकिन न्यायालय के पास इसे लागू करने का कोई तरीका नहीं है. आईसीसी के न्यायाधीशों ने लगभग 60 गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं. 21 लोगों को हिरासत में लिया गया है. अदालत में पेश किया गया है, जैसा कि इसकी वेबसाइट पर बताया गया है. लगभग 30 लोग अभी भी फरार हैं. अदालत ने 11 लोगों को दोषी ठहराया है और चार को बरी किया है.

इजराइली वारंट किस बारे में हैं : न्यायालय ने कहा कि नेतन्याहू और गैलेंट के खिलाफ यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि वे भुखमरी के युद्ध अपराध और हत्या, उत्पीड़न और अन्य अमानवीय कृत्यों सहित मानवता के विरुद्ध अपराधों के सह-अपराधी के रूप में जिम्मेदार हैं. न्यायालय ने कहा कि हालांकि वह मानवता के विरुद्ध विनाश के अपराध पर निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सका, लेकिन उसने कहा कि हत्या के आरोप का समर्थन उन आरोपों से होता है कि गाजा के निवासियों को भोजन, पानी, बिजली और चिकित्सा आपूर्ति जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित किया गया था. इसने गाजा में नागरिक आबादी के एक हिस्से के विनाश के लिए गणना की गई स्थितियां पैदा कीं. जिसके कारण कुपोषण और निर्जलीकरण से बच्चों और अन्य लोगों की मृत्यु हुई. न्यायालय ने यह भी पाया कि अस्पताल की आपूर्ति और दवा को गाजा में जाने से रोककर, डॉक्टरों को बिना एनेस्थीसिया या बेहोश करने के असुरक्षित साधनों के बिना ऑपरेशन करने और अंग विच्छेदन करने के लिए मजबूर किया गया, जिसके कारण आम लोगों को बहुत पीड़ा झेलनी पड़ी. अदालत ने कहा कि उसे दो घटनाएं मिलीं जिनमें अभियोजन पक्ष द्वारा दिए गए साक्ष्यों से यह निष्कर्ष निकला कि हमले जानबूझकर नागरिकों के खिलाफ किए गए थे। उसने कहा कि यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि नेतन्याहू और गैलेंट उन हमलों को रोकने में विफल रहे. जबकि गवाहों की सुरक्षा के लिए गिरफ्तारी वारंट को गुप्त के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, अदालत ने कहा कि उसने कुछ जानकारी प्रदान की क्योंकि इजराइल की कार्रवाई जारी है. इसने यह भी कहा कि वह चाहता है कि पीड़ितों और उनके परिवारों को वारंट के बारे में सूचित किया जाए।

पाकिस्तान में पैसेंजर वैन पर हमला, 50 की मौत:20 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूख्वा प्रांत में गुरुवार को एक पैसेंजर वैन पर फायरिंग की गई। इसमें 50 लोगों की मौत हो गई। 20 लोग घायल हैं। घटना खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम घाटी की है। वैन पेशावर से कुर्रम जा रही थी। इससे पहले मंगलवार रात को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में सेना की एक पोस्ट पर आत्मघाती हमला हुआ था। इस हमले में 12 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई थी। वहीं 6 आतंकी भी मारे गए थे। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने जानकारी देते हुए बताया था कि आतंकियों ने चेक पोस्ट की दीवार में गाड़ी टकराते हुए उसमें रखे विस्फोटक में ब्लास्ट कर दिया। ब्लास्ट की चपेट में आने से 12 सैनिक मारे गए। वहीं जवाबी कार्रवाई में सेना ने 6 आतंकियों को भी मार गिराया। पांच दिन पहले बलूचिस्तान में हुआ था हमला पाकिस्तान के पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में 16 नवंबर को सेना की पोस्ट पर हमला हुआ था। इसमें हमले में पाक सुरक्षाबलों के 7 सैनिक मारे गए थे। हमले की जिम्मेदारी मिलिटेंट बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली थी। न्यूज एजेंसी एएफपी ने एक स्थानीय व्यक्ति के हवाले से बताया था कि हमले में 40 से 50 बलूच विद्रोही शामिल थे। इस दौरान बलूच विद्रोहियों ने सेना की पोस्ट पर फायरिंग की। हमले में 7 सैनिकों की मौत के अलावा 15 सैनिक घायल भी हुए थे। क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हमले में मारे गए थे 26 लोग पाकिस्तान के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर 9 नवंबर, शनिवार सुबह ब्लास्ट हुआ था। इस ब्लास्ट में 26 लोग मारे गए थे, वहीं 50 से ज्यादा घायल हुए थे। इस हमले की जिम्मेदारी भी मिलिटेंट ग्रुप बलूच लिबरेशन आर्मी) ने ली थी। बलूच लिबरेशन आर्मी प्रवक्ता ने कहा कि आत्मघाती हमले को मजीद ब्रिगेड यूनिट ने अंजाम दिया। उनका निशाना इन्फैंट्री स्कूल के सैनिक थे।

सिडनी में नहीं बंद होंगी रेल सेवाएं, रेल कर्मचारियों की हड़ताल टली

सिडनी, एजेंसी। रेलकर्मियों की होने वाली हड़ताल टल गई है। इसे लेकर लोगों में व्यापक चिंता थी क्योंकि अगर हड़ताल होती तो सिडनी का रेल नेटवर्क कई दिनों तक पूरी तरह ठप हो जाता। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया कि न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की सरकार ने गुरुवार की शाम को ऐलान किया कि सरकार का रेल, ट्राम और बस यूनियन (आरटीबीयू) के साथ समझौता हो गया है। यह हड़लात रेल कर्मचारियों को प्रभावित करने वाले वेतन विवाद की वजह से बुलाई गई थी। आरटीबीयू की प्रस्तावित हड़ताल के कारण सिडनी का रेल नेटवर्क शुक्रवार से रविवार के बीच पूरी तरह से बंद होने वाला था। कर्मचरी यूनियन की पहले नेटवर्क शटडाउन गुरुवार से रविवार तक करने की योजना थी। लेकिन राज्य सरकार और यूनियन के बीच बातचीत जारी रहने के कारण इसे एक दिन के लिए टाल दिया गया। गुरुवार (21 नवंबर) को राज्य सरकार के साथ बैठक के बाद, आरटीबीयू ने दो सप्ताह के लिए कार्य कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। इस दौरान विवाद के स्थायी समाधान पर बातचीत जारी रहेगी। इसके बदले में, न्यू साउथ वेल्स सरकार ने इस सप्ताह के अंत में सीमित 24 घंटे रेल सेवाएं चलाने पर सहमति व्यक्त की। सरकार और यूनियन की बातचीत के दौरान 24 घंटे की रेल सेवा को स्थायी बनाना यूनियन की प्रमुख मांग रही है।

कनाडा में हिंदुओं को नहीं मिली सुरक्षा, एक और भारतीय कैंप रद्द, 4000 लोग प्रभावित

ओटावा, एजेंसी। बढ़ते तनाव के बीच भारत ने कनाडा में कॉन्सुलर कैंप को एक बार फिर रद्द कर दिया है। कॉन्सुलेट ने कहा है कि हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बावजूद कनाडा हिंदुओं को सुरक्षा प्रदान करने में पूरी तरह फेल रहा है। यह दूसरी बार है जब वाणिज्य दूतावास शिविर रद्द किए गए हैं। इससे पहले कनाडा के टोरंटो में भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने सुरक्षा एजेंसियों द्वारा भारतीय शिविर आयोजकों को सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थता जताए जाने के बाद कुछ कैंप को रद्द करने का फैसला किया था। अब ओंटारियो प्रांत के हिंदू मंदिर ने रविवार को आयोजित होने वाले वाणिज्य दूतावास शिविर को रद्द करने की घोषणा की है। ओकविले में वैष्णो देवी मंदिर में 23 नवंबर को भारत के वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित कैंप की मेजबानी करनी थी। इस शिविर में पेंशनभोगियों को लाइफ सर्टिफिकेट बांटे जाने वाले थे। हालांकि गुरुवार को मंदिर की कार्यकारी समिति ने एक बयान जारी कर शिविर रद्द करने की घोषणा की। इसने कहा कि शिविर को हेल्टन क्षेत्रीय पुलिस सेवा के प्रमुख रोजर विल्की से बातचीत के बाद रद्द कर दिया गया है। विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों, समुदाय के सदस्यों और आम जनता सहित सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम को रद्द किया गया है। कॉन्सुलेट ने कहा कि पुलिस ने मौजूदा समय में सुरक्षा का आकलन करने के बाद यह निष्कर्ष

निकला है कि यह आयोजन ऐसे तरीके से नहीं हो सकता है जिससे कर्मचारियों को खतरा हो। बयान में कहा गया है, हमें इस बात का गहरा दुख है कि हमारे वरिष्ठ नागरिक और समुदाय के सदस्य पूजा स्थलों या सार्वजनिक संस्थानों में इन आवश्यक सेवाओं तक सुरक्षित रूप से नहीं पहुंच पा रहे हैं। हमारे समुदाय, विशेष रूप से हमारे बुजुर्ग सदस्यों की सुरक्षा को लेकर हम चिंतित हैं।

इस बीच आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने बुधवार को धमकी दी थी कि वह इन कैंप्स में भारतीय अधिकारियों की मौजूदगी का विरोध करने के लिए रविवार को ओकविले मंदिर और 30 नवंबर को टोरंटो के लक्ष्मी नारायण मंदिर में प्रदर्शन करेगा। मामले पर खालिस्तानी गुरपतवंत पन्नू ने कहा, स्न्नछ्ठ का विरोध प्रदर्शन भारतीय राजनयिकों निशाना बनाने के लिए है न कि पूजा स्थलों को। 3 नवंबर को ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा हिंसक हमला किए जाने के बाद से शिविरों के आयोजन को लेकर तनाव बना हुआ है। इसके बाद माल्टन में एक गुरुद्वारे के बाहर विरोध प्रदर्शन किए गए थे। 4 नवंबर को हिंदू सभा मंदिर के बाहर एक रैली भी निकाली गई। हालांकि इन घटनाओं से हिंसा की घटनाएं सामने आईं और अब तक इस संबंध में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोप लगने के बाद गेट्स ने वापस लिया अपना नाम, ट्रंप ने पैम बॉन्डी को सौंपी जिम्मेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को अमेरिका का नया अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया है. बॉन्डी को मैट गेट्स की जगह यह जिम्मेदारी सौंपी गई है. पेड सेक्स और यौन उत्पीड़न को लेकर चर्चा में आए मैट गेट्स ने अपना नाम वापस ले लिया था. ट्रंप ने एक बयान में कहा कि मुझे फ्लोरिडा राज्य की पूर्व अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को संयुक्त राज्य अमेरिका की अगली अटॉर्नी जनरल के रूप में नियुक्त करने पर गर्व है. उन्होंने बताया कि बॉन्डी ने करीब 20 साल तक अभियोजक के तौर पर काम किया, जिसके दौरान वह हिंसक अपराधियों के खिलाफ़ बहुत सख्त रहीं और फ्लोरिडा के परिवारों के लिए सड़कों को सुरक्षित बनाया. उन्होंने कहा कि फिर, फ्लोरिडा की पहली महिला अटॉर्नी जनरल के तौर पर, उन्होंने घातक दवाओं की तस्करी को रोकने और फेंटेनाइल ओवरडोज से होने वाली मौतों की त्रासदी को कम करने के लिए काम किया, जिसने हमारे देश भर में कई परिवारों को

तबाह कर दिया है. ट्रंप ने अविश्वसनीय काम करने के लिए बॉन्डी की प्रशंसा की. उन्होंने आरोप लगाया कि न्याय विभाग को उनके और अन्य रिपब्लिकन के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. ट्रंप ने आगे कहा कि पाम डीओजे को अपराध से लड़ने और अमेरिका को फिर से सुरक्षित बनाने के अपने इच्छित उद्देश्य पर फिर से केंद्रित करेंगी. मैं पैम को कई सालों से जानता हूं, वह स्मार्ट और सख्त है और एक अमेरिका फर्स्ट फाइटर है, जो अटॉर्नी जनरल के रूप में शानदार काम करेगी. इससे पहले गैट्ज ने विपक्ष और अपने रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटरों दोनों की आलोचना के बाद खुद को नामांकन से वापस ले लिया था. गेट्ज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि वाशिंगटन में अनावश्यक रूप से लंबे समय तक चलने वाले झगड़े पर समय बर्बाद करने का कोई मतलब नहीं है, इसलिए मैं अटॉर्नी जनरल के रूप में काम करने के लिए अपने नाम पर विचार करने से पीछे हट जाऊंगा. ट्रंप के डीओजे को पहले दिन से ही तैयार रहना चाहिए।

गौतम अडानी पर लगे आरोपों पर वाइट हाउस की पहली प्रतिक्रिया: भारत से अटूट रिश्ता, इसे भी सुलझा लेंगे

वाशिंगटन , एजेंसी। व्हाइट हाउस ने कहा कि उसे अडानी समूह के अध्यक्ष और भारतीय अरबपति गौतम अडानी के खिलाफ अमेरिका में लगाए गए आरोपों का पता है। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि गौतम अडानी और इसक केस में 7 अन्य आरोपियों ने आंध्र प्रदेश के एक बड़े अधिकारी को 1750 करोड़ की रिश्वत दी थी। आरोपियों में गौतम अडानी के भतीजे सागर अडानी भी शामिल हैं। आरोप है कि अडानी ग्रुप ने यह रिश्वत भारत के सबसे बड़े सोलर परियोजना का ठेका हासिल करने के लिए दी थी। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सिरे से नकार दिया है। वहीं, भारत सरकार के अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गुरुवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में वाइट हाउस की प्रेस सचिव करिन जीन-पियरे ने पत्रकारों से कहा कि प्रशासन को अडानी के खिलाफ आरोपों की जानकारी है। उन्होंने कहा, हम इन आरोपों से अवगत हैं और इसके बारे में विशिष्ट जानकारी के लिए मैं आपको एसईसी (सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन) और डीओजे (डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस) के पास जाने के लिए कहूंगी। जीन-पियरे ने भारत और अमेरिका के रिश्तों को मजबूत बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत नींव पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, हम विश्वास करते हैं कि हम इस मुद्दे को भी उसी तरह से नेविगेट करेंगे जैसे हम अन्य मुद्दों को करते हैं। अडानी समूह का जवाब गुरुवार को अडानी समूह ने अमेरिकी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा, अमेरिकी न्याय विभाग और अमेरिकी सिक्योरिटीज और एक्सचेंज कमीशन द्वारा अडानी ग्रीन के निदेशकों के खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं और हम इन्हें नकारते हैं। वहीं, कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने अडानी की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा, हम मांग करते हैं कि अडानी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। लेकिन हम जानते हैं कि ऐसा नहीं होगा क्योंकि मोदी उन्हें बचा रहे हैं। भाजपा ने राहुल गांधी के प्रधानमंत्री मोदी पर हमले की आलोचना की और कहा कि अमेरिकी अदालतों में जिन चार राज्यों का जिस समय जिक्र किया गया है वहां भाजपा की सरकार नहीं थी। भाजपा के प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा, कानून अपना रास्ता तय करेगा।

भारतीय परिवार की बर्फ में जमने से मौत के मामले में गवाह ने किया चौंकाने वाला खुलासा

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका-कनाडा सीमा पार करते समय बर्फबारी में जमकर मारे गए एक भारतीय परिवार की घटना ने मानव तस्करी के भयावह नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस मामले में भारतीय नागरिक हर्षकुमार रमनलाल पटेल (29) और फ्लोरिडा निवासी स्टीव शैंड (50) के खिलाफ सुनवाई चल रही है। बर्फीले तूफान के बीच अमेरिका-कनाडा सीमा पार करने वाले भारतीय नागरिक ने बताया है कि एक परिवार के चार लोगों की बर्फ में जमने से मौत होने के कुछ ही देर के अंदर वह उनसे अलग हो गया था। भारतीय नागरिक हर्षकुमार रमनलाल पटेल (29) और फ्लोरिडा के निवासी स्टीव शेंड (50) के खिलाफ जारी मुकदमे की सुनवाई के तीसरे दिन बुधवार को यश पटेल (23) नामक व्यक्ति ने यह गवाही दी। अभियोजकों का कहना है कि आरोपियों ने दिसंबर 2021 से जनवरी 2022 के बीच पांच सप्ताह के दौरान मिनेसोटा में भारतीय प्रवासियों को तस्करी के जरिए सीमा पार कराने के प्रयास के दौरान मानव जीवन के बजाय वित्तीय लाभ को तरजीह दी। अभियोजकों के अनुसार रमनलाल पटेल तस्करी योजना का हिस्सा था और उसने शैंड से वाहन चालक के तौर पर काम लिया था। दोनों व्यक्तियों ने मानव तस्करी से संबंधित चार मामलों में अपना अपराध स्वीकार नहीं किया है। संघीय अभियोजकों का कहना है कि जगदीश पटेल (39) उनकी पत्नी वैशालीबेन (लगभग 30 वर्ष), बेटी विहांगी (11) और बेटे धार्मिक (3) की 19 जनवरी, 2022 को ठंड के

कारण मौत हो गई। 'द कैनेडियन प्रेस की खबर के अनुसार यश पटेल (23) ने एक दुभाषिये के माध्यम से गवाही दी कि वह पटेल परिवार से अलग हो गया था और पांच या छह घंटे तक अकेले चलता रहा, जिसके बाद उसे एक वैन मिली, जिसमें उसकी प्रतीक्षा की जा रही थी। अभियोजकों का कहना है कि वह वैन स्टीव शैंड चला रहा था। परिवार की मौत कनाडा से अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश के दौरान हुई। उस समय तापमान -38 डिग्री सेल्सियस तक गिर चुका था। यश पटेल (23) ने गवाही दी कि वह परिवार के साथ सीमा पार कर रहा था लेकिन रास्ते में उनसे अलग हो गया। कई घंटे अकेले चलने के बाद वह एक वैन तक पहुंचा, जिसे अभियोजकों के अनुसार स्टीव शैंड चला रहा था। वैन में पहुंचने के कुछ देर बाद अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने उन्हें पकड़ लिया। हर्षकुमार पटेल और स्टीव शैंड पर आरोप है कि वे एक अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह का हिस्सा थे। यह गिरोह भारत से कनाडा और फिर अमेरिका तक प्रवासियों को तस्करी के जरिए पहुंचाता था। राजिंदर सिंह पटेल, जो इसी गिरोह का सदस्य था, ने स्वीकार किया कि उसने 4 वर्षों में 500 से अधिक प्रवासियों को सीमा पार कराने में मदद की और 400,000 अमेरिकी डॉलर कमाए।

कैसे होती थी तस्करी : ग्राहकों को भारत में ढूंढा जाता था, खासकर गुजरात के डिंगुचा गांव जैसे इलाकों से। इन्हें कनाडा का छात्र वीजा दिलवाया जाता था। कनाडा पहुंचने के बाद, प्रवासियों को सीमा पर लाकर अमेरिका में तस्करी की जाती थी। इस प्रक्रिया में लोग खतरनाक हालात में घंटों पैदल चलने के लिए मजबूर होते थे। 19 जनवरी, 2022 की सुबह कनाडाई अधिकारियों को बर्फ में जमे हुए पटेल परिवार के शव मिले।जगदीश पटेल अपने बेटे धार्मिक (3) को कंबल में लपेटे हुए पकड़े हुए थे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में जनसेवा के नाम पर झोलाछाप का धंधा नहीं चला। विवाद के 5वें दिन अस्पताल पर लगा ताला।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में जनसेवा के नाम पर मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना की गई थी। यह फर्जी अस्पताल दो नकली डॉक्टरों और शराब की तस्करी में शामिल एक डॉक्टर के भरोसे शुरू किया गया था। हालांकि, इस पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। विवाद के 5 दिन बाद, सूरत जिला स्वास्थ्य विभाग ने इस फर्जी अस्पताल को सील कर दिया। इसके साथ ही, स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल के बाहर नोटिस लगाकर संचालकों को निर्देश दिया कि वे 7 दिनों के भीतर संबंधित दस्तावेज और सभी विवरण प्रस्तुत करें।

अधिकारियों को संचालक का करना पड़ा इंतजार सील की कार्रवाई के दौरान अस्पताल के बाहर संचालक को भी बुलाया गया था। अधिकारी घंटों तक संचालक का इंतजार करते रहे, लेकिन वह मौके पर नहीं पहुंचा। इसी कारण यह कार्रवाई की गई। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस अस्पताल के लिए किसी भी प्रकार का पंजीकरण नहीं किया गया था और न ही अधिकारियों को लिखित रूप से सूचना दी गई थी कि अस्पताल शुरू किया जा रहा है।

रेंट एग्रीमेंट किया गया था फर्जी डॉक्टर बबलू रामाश्रय शुक्ला, राजाराम दुबे और डॉ. जी.पी. मिश्रा की हरकतों से लोग हैरान हैं, क्योंकि पहले भी दो नकली डॉक्टरों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इसके बावजूद वे क्लिनिक छोड़कर अस्पताल शुरू करने की तैयारी में थे। अस्पताल के लिए रेंट एग्रीमेंट फर्जी डॉक्टरों के नाम पर किया गया था। दो फर्जी डॉक्टरों और शराब की तस्करी में शामिल एक डॉक्टर ने मिलकर यह रेंट एग्रीमेंट किया था।

सूरत में कारख़ानेदार से 6 करोड़ के हीरे लेकर दो व्यक्तियों ने की ठगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में दो व्यक्तियों ने एक कारख़ानेदार से 6 करोड़ रुपये के हीरे लेकर ठगी की घटना को अंजाम दिया। आरोपियों ने विश्वास दिलाकर हीरे लेने के बाद उन्हें धोखा दिया और बड़ी राशि की ठगी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

डायमंड सिटी सूरत पिछले दो वर्षों से मंदी का सामना कर रही है। इस मंदी के बीच कारख़ानेदार को एक और बड़ा झटका लगा है। दो व्यक्तियों ने कारख़ानेदार से 6.8 करोड़ रुपये के सीवीडी और असली हीरे ले लिए थे, लेकिन बाद में पैसे नहीं दिए और ठगी कर ली। इस पर कारख़ानेदार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, धनेश मोहनलाल संघवी और मोहनलाल भेरूमल संघवी की अलग-अलग हीरा पेडियों से 6.8 करोड़ रुपये के सीवीडी और असली हीरे पांचा हनु शिंगड और निलेश नवीनचंद्र शाह द्वारा प्राप्त किए गए थे। दोनों ने ठगी के समान इरादे से चालाकी से योजना बनाई और पैसे नहीं दिए।

रेफरेंस देकर विश्वास जीता
दोनों आरोपियों ने एक-दूसरे का रेफरेंस दिया था। उन्होंने यह विश्वास दिलाया कि चूंकि वे अपना कारोबार शुरू कर रहे हैं, माल का भुगतान बाद में किया जाएगा। दोनों ने मिलकर 6.8 करोड़ रुपये के हीरे प्राप्त किए थे और वादे किए थे, लेकिन भुगतान नहीं किया। इसके बाद, शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर पांचा हनु शिंगड और निलेश नवीनचंद्र शाह को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

सूरत के भेस्तान इलाके में शांतीनाथ ज्वेलर्स शोरूम में लूट करने वाले तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके में शांतीनाथ ज्वेलर्स शोरूम में लूट करने वाले तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय लोगों ने एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि दूसरे आरोपी को क्राइम ब्रांच की टीम ने और तीसरे आरोपी को लिम्बायत पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों ने शोरूम के मालिक और कर्मचारी पर हमला कर लूट को अंजाम दिया था।

गहने देखने के बाद किया हमला सूरत के भेस्तान चार रास्ता इलाके में स्थित शांतीनाथ ज्वेलर्स शोरूम में लूट की घटना घटी। तीन लोग शोरूम में आए और 10 से 15 मिनट तक चांदी के गहने देखने के बाद शोरूम मालिक शांतिलाल शाह और कर्मचारी बंसीलाल गुर्जर पर हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और खून से लथपथ हो गए।

फरार हुए दो आरोपियों में से एक को सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने और दूसरे को लिम्बायत पुलिस ने गिरफ्तार

दूसरी ओर, वहां चीख-पुकार मचने पर लोग इकट्ठा हो गए।

4800 की लूट को दिया अंजाम लोगों ने तीन आरोपियों में से एक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। फरार हुए दो आरोपियों में से एक को सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने और दूसरे को लिम्बायत पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मिर्ची पाउडर भी साथ लेकर आए थे और उन्होंने शोरूम की रेकी भी की थी। आरोपियों ने ज्वेलर्स से चांदी की 4800 रुपये की 6 अंगूठियां लूटी थीं। फिलहाल, पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आवक से अधिक संपत्ति के मामले में 5 साल की सजा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर CID क्राइम में तैनात तत्कालीन PI घनश्यामसिंह लालसिंह गोल के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने वर्ष 2010 में आय से अधिक 23 लाख 37 हजार की अवैध संपत्ति जमा करने के मामले में अपराध दर्ज किया था। इस मामले में गांधीनगर स्पेशल ACB और डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट ने तत्कालीन PI को दोषी ठहराते हुए पांच साल की सजा और पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा सार्वजनिक सेवक या उसकी आश्रित व्यक्ति द्वारा एकत्र की गई अवैध संपत्ति की गुप्त जांच की जाती है। आय से अधिक संपत्ति के मामलों में भ्रष्ट अधिकारी की अवैध संपत्तियां सामने आने पर, उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम-1988 के तहत अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाती है। इस प्रकार, एसीबी गांधीनगर ने 2010 में गांधीनगर CID क्राइम में तैनात तत्कालीन पुलिस इंस्पेक्टर घनश्यामसिंह लालसिंह गोल के खिलाफ अवैध संपत्ति का मामला दर्ज किया था। गांधीनगर एसीबी में 2010 में CID क्राइम के तत्कालीन PI घनश्यामसिंह लालसिंह गोल के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। इस शिकायत के बाद उनकी संपत्तियों की जांच की गई। इस जांच के दौरान, यह सामने आया कि तत्कालीन PI ने 23 लाख 37 हजार की अवैध संपत्ति जमा की थी, जिसमें अधिकांश संपत्ति उनके पत्नी के नाम पर थी। इसके बाद, एसीबी ने आवश्यक प्रमाण एकत्र कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। जिस मामले में गांधीनगर के स्पेशल एसीबी और डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट में सुनवाई चल रही थी, सरकारी वकील पी.डी. व्यास ने तीखे तर्क प्रस्तुत किए थे। इन तर्कों को स्वीकार करते हुए, कोर्ट ने तत्कालीन PI घनश्यामसिंह गोल को पांच साल की सजा और पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

कोर्ट ने पांच लाख का जुर्माना भी लगाया, ACB गांधीनगर CID क्राइम के तत्कालीन PI पर 23.37 लाख की अतिरिक्त संपत्ति जमा करने का मामला दर्ज किया

"देश के हित को नुकसान पहुंचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया"

बीजेपी अध्यक्ष पाटिल ने महाराष्ट्र और वाव की जीत पर दिया बयान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बीजेपी अध्यक्ष पाटिल ने महाराष्ट्र और वाव चुनावों में पार्टी की जीत के बाद जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि देश के हित के खिलाफ काम करने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। पाटिल ने इस जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और सरकार की नीतियों का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि यह जीत जनता के भरोसे और पार्टी के कार्यकर्ताओं की मेहनत का प्रतीक है।

महाराष्ट्र में बीजेपी का रोड रोलर फिर चला, शानदार जीत महाराष्ट्र में बीजेपी को शानदार जीत मिली है। साथ ही गुजरात की वाव सीट पर हुई उपचुनाव में भी बीजेपी के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। इस पर गुजरात बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब लोग विकास को स्वीकार कर रहे हैं। देश के हित को नुकसान पहुंचाने वालों को मतदाताओं ने करारा जवाब दिया है। पाटिल ने कहा कि विकास के मार्ग पर और मोदीजी के नेतृत्व में एक बार फिर से जनता का आशीर्वाद मिला है।

सी.आर. पाटिल ने महाराष्ट्र में बीजेपी की शानदार जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महाराष्ट्र की जीत अपेक्षित थी। महाराष्ट्र की जनता ने एक बार फिर मोदीजी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। पाटिल ने कहा कि शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी जैसे अनैतिक गठबंधन सत्ता हासिल करना चाहते थे, लेकिन उनका पत्ता आज कट गया है। आज उनके अस्तित्व पर सवाल उठ खड़ा हुआ है। सत्ता हासिल करने के लिए बारिश में निकलने वाले टोपों की तरह, इन पार्टियों को महाराष्ट्र की जनता ने करारा जवाब दिया है।

वाव सीट पर हुई जीत पर सी.आर. पाटिल ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की जीत है। बीजेपी के सभी कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की थी, और इसका परिणाम यह जीत है। पाटिल ने मावजी पटेल को तीसरे तत्व के रूप में सामने आने का श्रेय दिया और स्वीकार किया कि बीजेपी ने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने कहा कि वाव की जनता ने जो विश्वास दिखाया है, वह बेकार नहीं जाएगा।

उधना जोन की आंखें खुली

शहर की खड्डियों में गैरकानूनी कनेक्शन देकर रासायनिक युक्त पानी डालने वाली 42 इकाइयों को सील किया गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की खड्डियों में रासायनिक युक्त पानी का निकासी बड़े पैमाने पर होने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन अधिकारी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे थे। करोड़ों रुपये खर्च कर खड्डियों की सफाई की जाती है। वर्षा जल निकासी लाइनों में किए गए अवैध कनेक्शनों के संदर्भ में चलाए गए अभियान में 105 संस्थाओं को नोटिस भेजी गई थीं, जबकि 42 डाईंग, प्रिंटिंग और प्रसंस्करण हाउसों को सील किया गया था।

दिवाली से पहले उधना जोन क्षेत्र में खड्डियों में अवैध ड्रेनेज कनेक्शनों के माध्यम से पानी की निकासी की शिकायतों के बाद, शास्त्री नगर, व्हाइट हाउस और मारुति इंडस्ट्रियल एस्टेट में गहन जांच की गई थी। इस दौरान 105 इकाइयों को नोटिस भेजी गई थीं, जिनमें व्हाइट हाउस में सबसे अधिक 97 इकाइयां पकड़ी गई थीं। इन इकाइयों की सीलिंग प्रक्रिया पूरी कर दी गई है। प्रिंटिंग हाउसों द्वारा भी महानगर पालिका की ड्रेनेज लाइनों के बजाय रासायनिक युक्त पानी सीधे स्टॉर्म लाइन में छोड़ने की शिकायतें मिली हैं। इस तरह की समस्याओं के कारण महानगर पालिका द्वारा समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं और जिम्मेदार इकाइयों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाती है। विशेष रूप से लिंबायत, उधना और कतारगाम जोन में तपेले डाइंग के संचालकों द्वारा रासायनिक युक्त पानी की निकासी की समस्या सामने आ रही है।

सूरत शहर के अंदर कई उद्योगिक गृह ऐसे हैं जो अवैध रूप से खड्डियों और तापी नदी में रासायनिक युक्त पानी डालते हैं, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण उनके खिलाफ दंडात्मक कदम नहीं उठाए जाते। ड्रेनेज कमिटी के चेयरमैन द्वारा थोड़ी सक्रियता दिखाने के बाद ही कार्रवाई शुरू की गई है। सूरत के कतरगाम, लिम्बायत, उधना और पांडेसेरा क्षेत्रों में इस तरह के कई अवैध कनेक्शन चल रहे हैं।

अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का मामला

घटना को 9 दिन हो गए, फिर भी आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर, पुलिस ने अब वापी GIDC और मुंबई के इलाकों में जांच शुरू की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिले के पारडी तालुका के एक गांव की बीकॉम छात्रा 14 नवंबर को उदवाड़ा ट्यूशन गई थी, लेकिन इसके बाद वह घर नहीं लौटी। इसके बाद, परिवार के सदस्यों ने उसकी खोज शुरू की और रेलवे फाटक के पास स्थित आंबावाड़ी में लड़की की संदिग्ध हालत में लाश मिली। लड़की के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में घटना को 9 दिन हो चुके हैं, लेकिन आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। आरोपियों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए वलसाड जिला पुलिस की टीम वाईपी GIDC स्थित कंपनियों और लेबर कांट्रैक्टर की मदद से आरोपी की तलाश कर रही है। साथ ही, आरोपी की खोज के लिए मुंबई के इलाकों में भी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। 14 नवंबर से पहले वाईपी GIDC और आसपास के इलाकों में कोई युवक देखा गया था या नहीं, इस बारे में वलसाड जिला पुलिस आवश्यक जानकारी प्राप्त कर रही है और आगे की जांच कर रही है।

वलसाड जिले के पारडी तालुका के मोतीवाला गांव की एक बीकॉम छात्रा ट्यूशन क्लास में गई थी। ट्यूशन के बाद वह घर नहीं लौटी। परिवार के सदस्यों ने खोजबीन शुरू की, और रेलवे फाटक के पास स्थित आंबावाड़ी से लड़की की लाश मिली। लड़की की लाश को नजदीकी अस्पताल ले जाते वक्त उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना की जानकारी मिलने पर पारडी पुलिस ने शव का पैनल पोस्टमार्टम कराया और आगे की कार्रवाई शुरू की।

वलसाड एसपी करणराज वाघेला के मार्गदर्शन में, जिले के तीन डिप्टी एसपी के नेतृत्व में वलसाड स्थ्क्क स्ह्त और जिले के सभी पुलिस स्टेशनों के पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मचारियों की मदद से मामले की जांच की जा रही है। अब तक, वलसाड जिले की विभिन्न टीमों ने पारडी GIDC और आसपास की कॉलोनियों में कुछ व्यक्तियों की गुमशुदगी को नोट किया है। इसके अलावा, वलसाड जिला पुलिस ने पारडी GIDC स्थित कंपनियों में श्रमिकों की गुमशुदगी के बारे में भी जानकारी इकट्ठा की है।

वलसाड जिले के सभी रेलवे स्टेशन, उदवाड़ा रेलवे स्टेशन और मोतीवाला रेलवे फाटक के पास के रिक्शा, बस और ईको वैन पिकअप और ड्रॉप स्टैंड के CCTV फुटेज की जांच की गई। इसमें कुछ संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की गई है, जिनकी वलसाड जिला पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। रेलवे स्टेशन और फुटपाथ पर जीवन यापन करने वाले लोगों से भी पूछताछ की गई है। अब तक 1150 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की जा चुकी है।

हाल ही में देश की सबसे बड़ी GIDC में स्थित कंपनियों के संचालकों, लेबर कांट्रैक्टरों और भंगार गोदाम के संचालकों से संदिग्ध युवक के बारे में पूछताछ की जा रही है, जो संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त दिख रहा है। साथ ही, मुंबई में स्थित शेल्टर होम और कॉलोनियों में भी इस संदिग्ध युवक की तलाश की जा रही है। रेलवे फाटक के पास रहने वाली लड़की के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने लगातार प्रयास जारी किए हैं।